RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 04 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 48 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प.बंगाल, असम समेत आएंगे पांच विधानसभा चुनावों के नतीजे आज

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग की तैयारी पूरी, 77 केंद्रों पर होगी 293 सीटों की मतगणना

कोलकाता/एजेंसी
पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में संपन्न होने के बाद अब सभी की निगाहें मतगणना पर टीकी है। वहीं, मतगणणा को लेकर निर्वाचन आयोग ने राज्य भर के मतगणना केंद्रों की विस्तृत सूची जारी की है। आयोग के अनुसार, राज्य की 293 विधानसभा सीटों (फलता को छोड़कर) की मतगणना कुल 77 केंद्रों पर की जाएगी। इससे पहले 30 अप्रैल को आयोग ने मतगणना केंद्रों की संख्या 87 से घटाकर 77 करने का निर्णय लिया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने रविवार को बताया कि किस जिले के किस केंद्र पर किन-किन विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती होगी। आयोग ने जिला-वार सभी मतगणना केंद्रों के पते भी सार्वजनिक किए हैं। कोलकाता की 11 विधानसभा सीटों के लिए पांच मतगणना केंद्र निर्धारित किए गए हैं। उत्तर कोलकाता की सात सीटों चौरंगी, एंटाली, बेलघाटा, जोड़ासांको, श्यामपुकुर, मानिकतला और काशीपुर-बेलगाछिया की मतगणना नेताजी इंडोर स्टेडियम परिसर स्थित खुदीराम अनुशीलन केंद्र के पास होगी। इसके अलावा, भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना सखावत मेमोरियल स्कूल में होगी। कोलकाता बंदरगाह सीट के मत सेंट थॉमस बॉयज स्कूल (डायमंड हार्बर रोड) में गिने जाएंगे। वहीं रासबिहारी सीट की मतगणना बालीगंज गवर्नमेंट हाई स्कूल तथा बालीगंज विधानसभा क्षेत्र की गिनती बाबा साहेब आंबेडकर एजुकेशन यूनिवर्सिटी (बालीगंज सर्कुलर रोड) में होगी। दक्षिण कोलकाता के कई क्षेत्रों की मतगणना भी अलग-अलग केंद्रों पर होगी। जादवपुर के एपीसी रॉय पॉलिटेक्निक कॉलेज में भांगर, सोनारपुर उत्तर और सोनारपुर दक्षिण की गिनती होगी।

असम विस चुनाव : 126 विस क्षेत्रों की 40 मतदान केंद्रों पर होगी मतगणना

गुवाहाटी
मतगणना के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह से तैयार है। असम के 40 मतगणना केंद्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोमवार की सुबह 8 बजे से मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी। कल तय होगा 126 विधानसभा क्षेत्रों के 722 उम्मीदवारों का भाग्य। उल्लेखनीय है कि, हाल ही में 09 अप्रैल को एक ही चरण में राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ था। इस बार राज्य में रिकॉर्ड संख्या के 85.5 प्रतिशत मतदान हुआ। यह राज्य के लिए रिकॉर्ड मतदान था। इस बार सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 सीटें, असम गण परिषद (अगप) ने 26 सीटें, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 11 सीटें, कांग्रेस ने 99 सीटें, असम जातीय परिषद (अजाप) ने 10 सीटें, राइजर दल ने 13 सीटें, 19 ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) दल ने 2 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

तमिलनाडु : राज्य के 62 केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में होगी मतगणना

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की सोमवार को होने वाली मतगणणा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना के लिए राज्यभर में 62 केंद्र बनाए गए हैं। राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई। चुनाव परिणाम जानने के लिए न केवल तमिलनाडु बल्कि पूरा देश उत्सुकता से इंतजार कर रहा है। तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक ने रविवार को एक बयान जारी कर बताया कि तमिलनाडु विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को हुए चुनाव की मतगणना 4 मई को होगी।

निष्पक्ष होगी मतगणना, चप्पे-चप्पे पर रहेगी आयोग की नजर

कोलकाता/एजेंसी
पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे से ठीक पहले निर्वाचन आयोग ने राज्य में शांतिपूर्ण और पारदर्शी मतगणना सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल और विशेष चुनावी रोल पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि सोमवार को होने वाली वोटों की गिनती के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है।

शांतिपूर्ण होगी मतगणना: मनोज कुमार अग्रवाल
पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा, 'वोटों की गिनती स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से की जाएगी। हम पूरी तरह तैयार हैं; कहीं भी कोई अशांति नहीं होगी। सोमवार को होने वाली मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी।' उन्होंने दावा किया कि आयोग ने हर केंद्र पर सुरक्षा के कड़े मानक तय किए हैं।

वोट चोरी की कोई संभावना नहीं: सुब्रत

वहीं, विशेष चुनावी रोल पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने सुरक्षा और पारदर्शिता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह तैयार हैं। वोट चोरी की कोई संभावना नहीं है। वोटों की गिनती में कोई अनियमितता नहीं होगी।' प्रशासन ने मतगणना को लेकर किसी भी संशय को दूर करने के लिए कर्मचारियों के चयन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया है।
सुब्रत गुप्ता ने आगे बताया, 'सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मतगणना के लिए सभी को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें केंद्र सरकार के कर्मचारी होंगे और राज्य सरकार के कुछ कर्मचारी भी शामिल रहेंगे। प्रक्रिया में कोई अनियमितता नहीं होने दी जाएगी।' चुनाव आयोग ने उन आशंकाओं को शांत करने की कोशिश की है जो अक्सर चुनावी नतीजों के दिन तनाव और धांधली के आरोपों के रूप में सामने आती हैं। बंगाल में इस बार मतगणना केंद्रों पर भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

पश्चिम एशिया संकट: भारत ने ऊर्जा, समुद्री और नागरिक सुरक्षा पर कसे इंतजाम

नई दिल्ली/एजेंसी
पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच केंद्र सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहु-स्तरीय कदम उठाए है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और घबराहट में खरीदारी की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि मार्शल द्वीप के ध्वज वाला एलपीजी वाहक पोत ह्लएमटी सर्व शक्तिह्न 46,313 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है और इसके 13 मई को विशाखापत्तनम पहुंचने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि देश में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है और सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ पूरी क्षमता पर कार्यरत हैं। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एलपीजी बुकिंग करें।

मिशन से कमीशन की ओर बढ़ी पत्रकारिता, समाज का विश्वास कायम रखना सबसे बड़ी चुनौती: जितेंद्र तिवारी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में विश्व संवाद केंद्र वाराणसी की ओर से आयोजित देवर्षि नारद जयंती संगोष्ठी एवं पत्रकार सम्मान समारोह में मीडिया की बदलती दिशा, उसकी विश्वसनीयता और समाज के प्रति जिम्मेदारी जैसे अहम विषयों पर काशी में गंभीर मंथन हुआ। ह्लपंच परिवर्तन : समाज एवं मीडियाह्व विषय पर हिन्दुस्थान समाचार न्यूज एजेंसी के संपादक जितेंद्र तिवारी ने पत्रकारिता के मूल स्वरूप और वर्तमान चुनौतियों पर बेबाक टिप्पणी की और आज के दौर में मीडिया पर समाज के विश्वास को कायम रखने को

सबसे बड़ी चुनौती बताया।

न्यूज एजेंसी के संपादक जितेंद्र तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता की शुरूआत एक मिशन के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य समाज की आवाज को सत्ता तक पहुंचाना और जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देना था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पत्र-पत्रिकाओं ने जनजागरण का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तिवारी ने उदाहरण देते हुए कहा कि ह्लवंदे मातरम्ह्व जैसे गीत केवल रचनाएं नहीं थे, बल्कि उन्होंने लोगों के भीतर राष्ट्रभाव जागृत कर आजादी की लड़ाई को

नई ऊर्जा दी।

तिवारी ने स्पष्ट किया कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ संविधान ने नहीं, बल्कि समाज ने बनाया है। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की तरह मीडिया के लिए कोई औपचारिक ढांचा नहीं है, फिर भी समाज ने उसे इन तीनों पर नजर रखने और जनता की आवाज को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की असली ताकत समाज का विश्वास है और यही उसकी सबसे बड़ी पूंजी भी है।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि समय के साथ पत्रकारिता मिशन से कमीशन की ओर बढ़ती दिख रही है। जब मीडिया सत्ता के समीकरणों में उलझता है या केवल विरोध के लिए नकारात्मकता खोजता है, तो उसकी विश्वसनीयता पर असर पड़ता है। आज के समय मीडिया पर अपनी खबरों

को लेकर समाज के विश्वास को कायम रखने की सबसे बड़ी चुखौती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के हित में सकारात्मक और रचनात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देना आवश्यक है, ताकि लोगों के सामने अच्छे कार्यों और सकारात्मक बदलावों की भी तस्वीर आ सके।

संपादक तिवारी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के "पंच परिवर्तन" की अवधारणा को पत्रकारिता के लिए एक नई दिशा बताते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर मीडिया की सक्रिय और सकारात्मक भूमिका समय की मांग है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास, जैसे पर्यावरण संरक्षण या सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता, समाज में बड़े बदलाव ला सकते हैं।

1.17 करोड़ से बनेगा बारात घर जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने किया भूमि पूजन

विधानसभा मंझनपुर के ग्राम पंचायत टेंवा में बारात घर का जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने किया भूमि पूजन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने बारात घर का भूमि पूजन कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण मानकों के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण हों व बताया कि 1.17 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह बारात घर केवल एक भवन नहीं बल्कि क्षेत्र की सामाजिक एकता,सांस्कृतिक परंपरा और जनसुविधा का प्रतीक बनेगा भारतीय जनता पार्टी की सरकार की प्रथम प्राथमिकता है कि हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचे और यह परियोजना उसी संकल्प का परिणाम है अब गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को शादी विवाह जैसे आयोजनों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा यह बारात घर उनकी खुशियों का साक्षी बनेगा और सामाजिक समरसता को और मजबूत करेगा व जिलाध्यक्ष ने ग्रामीणों से अपील की कि इस बारात घर को अपना समझकर इसकी साफ सफाई व देखभाल की जिम्मेदारी लें इस मौके पर कोऑपरेटिव चेयरमैन शिवमोहन मौर्य,नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,निवर्तमान विधायक मंझनपुर लाल बहादुर,जिला महामंत्री ज्योति केसरवानी,ग्राम प्रधान अवनीश तिवारी,सुनील तिवारी विजय तिवारी सहित सम्मानित कार्यकर्ता व ग्रामवासी उपस्थित रहें।

डीएम एसपी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना

जिलाधिकारी ने सीएमएस को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। ग्राम थाना मंझनपुर क्षेत्र अंतर्गत मिट्टी का टीला ढहने से हुई दुखद घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण प्रजापत तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) से घायलों के स्वास्थ्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने घायलों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा सीएमएस को निर्देशित किया कि सभी घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

रविवार को ग्राम थाम्भा में तालाब में घरेलू प्रयोग के लिए मिट्टी खोदते समय मिट्टी का टीला ढहने से स्थल पर खुदाई कर रही तीन महिलाएं व 2 बच्चे दब गये।

घटना की सूचना प्राप्त होते हैं तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रशासन ने ग्रामीणों की मदद से मिट्टी के ढेर से निकाल कर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहाँ गीता देवी, उत्तरा देवी व अंकिता को मृतक घोषित कर दिया गया, जबकि घायल अमित व जितिया का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

स्टंट करने के मामले में ट्रैक्टर मालिक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। बकेवर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर अनियंत्रित तरीके से ट्रैक्टर चलाते हुए स्टंट करने का वीडियो वायरल होने पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पंजीकृत ट्रैक्टर मालिक द्वारा अपने नाबालिग पुत्र को जानबूझकर यह जानते हुए कि यह नाबालिग है व स्टंट करता है, फिर भी ट्रैक्टर चलाने के लिए देने पर वाहन स्वामी व स्टंट करने वाले के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर वाहन स्वामी को किया गया गिरफ्तार व साथ ही वाहन ट्रैक्टर को सीज किया गया।

थाना बकेवर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो का तत्परता से संज्ञान लिया गया। उक्त वायरल वीडियो में एक ट्रैक्टर

चालक द्वारा गांव के खेतों में अत्यंत लापरवाहीपूर्वक एवं खतरनाक तरीके से स्टंटबाजी करते हुए वाहन चलाया जा रहा था, जिससे राहगीरों एवं स्थानीय निवासियों की जान-माल की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। थाना बकेवर पुलिस द्वारा मामले की त्वरित जांच की गई, जिसमें ट्रैक्टर संख्या वढ71अल8360 के पंजीकृत वाहन स्वामी अजय कुमार पुत्र शिवचरन लाल निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर, थाना बकेवर जनपद फतेहपुर द्वारा अपने नाबालिग पुत्र को जानबूझकर यह जानते हुए कि यह नाबालिग है व स्टंट करता है फिर भी ट्रैक्टर चलाने के लिए दिया, उक्त कृत्य को गंभीरता से लेते हुए थाना बकेवर पर मु0अ0सं0 61/2026 धारा 281/125 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग

राष्ट्रीय अध्यक्ष का व्यापारियों ने किया जोरदार स्वागत

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग रविवार को जिला मुख्यालय मंझनपुर पहुंचे।राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष अरुण केसरवानी के नेतृत्व में व्यापारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जिलाध्यक्ष ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत सम्मान किया और जनपद में व्यापारियों की स्थिति से अवगत कराया।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक संगठनात्मक बैठक की जिसमे एक जिला एक उत्पाद योजना पर विस्तार से चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने जिलाध्यक्ष अरुण केसरवानी के साथ जिले में व्यापार को बढ़ावा देने और व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु रणनीतिक चर्चा की।इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। संगठन का उद्देश्य हर छोटे-बड़े व्यापारी के हितों की रक्षा करना और सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाना है।

लखीमपुर खीरी में सख्त पहरे में हुई नीट यूजी 2026 परीक्षा, 76 परीक्षार्थियों ने छोड़ा पेपर

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा रविवार को जिले के सात परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा और सख्त निगरानी के बीच शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। इस दौरान बुलाए गए 3227 में से 3151 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 76 ने गैर हाजिर रहकर परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा को सकुशल बनाने के लिए जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, एडीएम, एएसपी सतत भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे।

वही परीक्षा केंद्र मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों पर मुस्तैद रहे। परीक्षा के दौरान जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं,

जिससे परीक्षार्थियों को निर्बाध और निष्पक्ष वातावरण में परीक्षा देने का अवसर मिला।

जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने परीक्षा में भ्रमणशील रहकर जनपद खीरी में स्थित परीक्षा केंद्रों राजकीय इंटर कॉलेज सहित अन्य परीक्षा 8केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर परीक्षा को सकुशल एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने जरूरी निर्देश दिए। डीएम ने परीक्षार्थियों के लिए भौतिक सुविधाओं/सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सीसीटीवी कैमरों को चेक किया व संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

वहीं डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, सिटी कोऑर्डिनेटर/प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय आशीष कुमार दीक्षित ने नीट (यूजी)एक 2026 परीक्षा में भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों (राजकीय पॉलीटेक्निक, वाईडी कॉलेज, भगवानदीन आर्यकन्या इंटर कॉलेज, गुरुनानक इण्टर कालेज, जीआईसी, अबुल कलाम आजाद गर्ल्स इंटर कॉलेज, डीएस कालेज) का निरीक्षण किया।

उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक, परीक्षा केंद्र मजिस्ट्रेट को परीक्षा में आयोग के शत प्रतिशत निर्देशों के अनुपालन के निर्देश दिए।

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। 22 अप्रैल को थाना सैनी पर एक वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग पुत्री दिनांक 21 अप्रैल रात्रि में घर से बिना बताए कहीं चली गयी है जो काफी खोजबीन करने के वावजूद नहीं मिल सकी है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सैनी में मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

पीड़िता की बरामदगी के पश्चात बयान व सक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 65(1) बीएनएस व 3/4(2) पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गयी। उपरोक्त क्रम में रविवार को थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस/सीडीआर की मदद से मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त अकुल पुत्र स्व0 रामदेव निवासी ग्राम गनपा थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

तीन हत्या आरोपी गिरफ्तार, आला कत्ल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुसैनगंज पुलिस हत्या के मामले में वांछित चल रहे तीन आरोपी को गिरफ्तार कर आला कत्ल बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक हुसैनगंज ने बताया कि गैर इरादतन हत्या में पंजीकृत मुकदमा में वीडियो साक्ष्य के आधार पर इसमें धारा 103 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है तथा प्राप्त वीडियो एवं साक्ष्यों के अवलोकन से घटना हत्या की पाई गई। प्राप्त वीडियो के आधार पर तीन को नामित 3 अभियुक्तों को मनीष कुमार यादव पुत्र कमलेश यादव, उम्र लगभग 21 वर्ष, सुरेन्द्र सिंह यादव पुत्र विश्वास बहादुर यादव, उम्र लगभग 45 वर्ष. सचिन यादव पुत्र राकेश यादव, उम्र लगभग 23 वर्ष निवासीगण रहिमालन का पुरवा, थाना हुसैनगंज, जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।

शेष प्रकाश में आए अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा ?15,000/- का इनाम घोषित किया गया है। शेष अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सीओ ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, सकुशल संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। रविवार को आयोजित नीट परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह द्वारा सर्किल चायल अंतर्गत बनाए गए परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

क्षेत्राधिकारी चायल द्वारा परीक्षा केंद्रों के मुख्य प्रवेश द्वार, परीक्षा कक्षों के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुगम एवं व्यवस्थित एंट्री तथा भीड़ नियंत्रण की स्थिति का गहन निरीक्षण किया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, नकल अथवा संदिग्ध गतिविधि को पूर्णतः रोकने हेतु सतर्कता बरती जाए तथा अभ्यर्थियों के साथ सौम्य एवं सहयोगात्मक व्यवहार रखा जाए।

साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने पाए तथा यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रहे। सभी पुलिस कर्मियों को अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर मुस्तैदी से तैनात रहने, लगातार निगरानी बनाए रखने एवं किसी भी आपात स्थिति में तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचित करने के निर्देश दिए गए।

क्षेत्राधिकारी चायल के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं पुलिस बल की सतर्कता के फलस्वरूप नीट परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जा रहा है।

स्टंट करने के मामले में ट्रैक्टर मालिक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। बकेवर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर अनियंत्रित तरीके से ट्रैक्टर चलाते हुए स्टंट करने का वीडियो वायरल होने पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पंजीकृत ट्रैक्टर मालिक द्वारा अपने नाबालिग पुत्र को जानबूझकर यह जानते हुए कि यह नाबालिग है व स्टंट करता है, फिर भी ट्रैक्टर चलाने के लिए देने पर वाहन स्वामी व स्टंट करने वाले के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर वाहन स्वामी को किया गया गिरफ्तार व साथ ही वाहन ट्रैक्टर को सीज किया गया।

थाना बकेवर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो का तत्परता से संज्ञान लिया गया। उक्त वायरल वीडियो में एक ट्रैक्टर चालक द्वारा गांव के खेतों में अत्यंत लापरवाहीपूर्वक एवं खतरनाक तरीके से स्टंटबाजी करते हुए वाहन

चलाया जा रहा था, जिससे राहगीरों एवं स्थानीय निवासियों की जान-माल की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था। थाना बकेवर पुलिस द्वारा मामले की त्वरित जांच की गई, जिसमें ट्रैक्टर संख्या वढ71अल8360 के पंजीकृत वाहन स्वामी अजय कुमार पुत्र शिवचरन लाल निवासी ग्राम मोहिद्दीनपुर, थाना बकेवर जनपद फतेहपुर द्वारा अपने नाबालिग पुत्र को जानबूझकर यह जानते हुए कि यह नाबालिग है व स्टंट करता है फिर भी ट्रैक्टर चलाने के लिए दिया, उक्त कृत्य को गंभीरता से लेते हुए थाना बकेवर पर मु0अ0सं0 61/2026 धारा 281/125 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। आज दिनांक 03.05.2026 को थाना बकेवर पुलिस द्वारा वाहन स्वामी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही नियमानुसार की गई है। साथ ही संबंधित ट्रैक्टर को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के अंतर्गत सीज कर दिया गया है।

गाजीपुर पुलिस द्वारा 2 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा से सम्बन्धित तीन वारंटी अभियुक्तगण ओमनारायण मिश्रा पुत्र कामता प्रसाद उम्र करीब 46 वर्ष. श्रवण कुमार मिश्रा पुत्र कामता प्रसाद मिश्रा उम्र करीब 40 वर्ष निवासीगण ग्राम अयाह थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

जार्जटाउन पुलिस द्वारा धोखाधड़ी में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य के निर्देश पर वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष जार्जटाउन योगेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश की जा रही थी इसी बीच मुखबिर की सूचना पर धोखाधड़ी मामले में वांछित अभियुक्त अभियुक्त आशीष तिवारी पुत्र राकेश तिवारी निवासी ग्राम अकोक्षी पो0 अकोठी थाना विन्धांचल मिजार्पुर को विद्या वाहिनी बस अड्डा के पास थाना क्षेत्र जार्जटाउन से गिरफ्तार किया गया।

साइबर ठगों ने निवेश के नाम पर रिटायर्ड इंजीनियर से 75 लाख ठगे

नोएडा। शेयर मार्केट मे निवेश पर मोटा मुनाफे का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने टेलीकॉम विभाग से रिटायर्ड इंजीनियर से 75 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-104 स्थित एटीएस वन हैमलेट सोसाइटी में रहने वाले बुजुर्ग आलोक सहदेव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि 25 फरवरी 2026 को उन्हें व्हाट्सऐप पर एक निवेश ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप का नाम वेल्थ एलायंस बताया गया, जिसमें शेयर बाजार

और आईपीओ में निवेश कर भारी मुनाफे का दावा किया गया था। ग्रुप के लोगों लगातार मुनाफे के स्क्रीनशॉट और ट्रेडिंग की जानकारी साझा की करते थे। जिससे उसे भरोसा पैदा हुआ। ग्रुप से जुड़े लोगों ने एक ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करवाया और बताया कि इसके जरिए भारतीय शेयर बाजार और विदेशी बाजार में निवेश किया जा सकता है। शुरूआत में पीड़ित ने छोटी राशि निवेश की और उन्हें आठ हजार रुपये का लाभ भी दिखाया गया, जो उनके खाते में वापस भी आया। इससे उनका विश्वास और बढ़ गया। इसके बाद आरोपितों ने उन्हें बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। उन्हें बताया गया कि न्यूनतम बैलेंस बनाए रखना जरूरी है और आईपीओ में निवेश करने पर भारी लाभ मिलेगा। धीरे-धीरे पीड़ित से अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए गए। आरोपितों ने यह भी झांसा दिया कि उनके शेयर ज्यादा मात्रा में अलॉट हो गए हैं और अगर अतिरिक्त पैसा जमा नहीं किया गया तो खाता फ्रीज कर दिया जाएगा। जब पीड़ित ने और पैसे देने से मना किया, तो उनका ऐप अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया और उन्हें व्हाट्सऐप ग्रुप से भी हटा दिया गया।

ऐप पर दिखाया जा रहा पूरा मुनाफा भी गायब हो गया। इस तरह कुल 75 लाख 64 हजार 47 रुपये की ठगी कर ली गई। यह रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराई गई थी।

डीसीपी ने बताया कि साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि किन-किन खातों में रकम ट्रांसफर की गई है। उन खातों को फ्रिज किया जाएगा।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य जीवन का महत्वपूर्ण आधार : डॉ. अशोक वार्ष्णेय

भारतीय शास्त्रों में वर्णित है स्वास्थ्य सिद्धांत : प्रो. एम.एम. गोरे

प्रयागराज। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। यह बातें रविवार को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तेलियरगंज में आयोजित आरोग्य भारती की दो दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य वक्ता आरोग्य भारतीय के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक वार्ष्णेय ने कहीं। उन्होंने आरोग्य भारती के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शरीर के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आरोग्य भारती से जुड़कर समाज के अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य संबंधी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

भारतीय शास्त्रों में वर्णित है स्वास्थ्य सिद्धांत

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कार्यवाहक निदेशक . एम.एम. गोरे ने भारतीय शास्त्रों में वर्णित स्वास्थ्य सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि भोजन से पहले हाथ-पैर धोकर बैठना, नियमित व्यायाम करना और संतुलित दिनचर्या अपनाना हमारे ग्रंथों में बताया गया है। उन्होंने कहा कि यदि इन्हें जीवन में उतारा जाए तो स्वस्थ रहना संभव है।

आरोग्य भारती की ओर से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में स्वास्थ्य, योग, दिनचर्या और भारतीय परंपराओं के माध्यम से निरोग जीवन पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताया।

आरोग्य भारतीय काशी प्रांत एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इंद्रनील बसु ने बताया कि भारती काशी प्रांत एवं ने संगठन के क्रियान्वयन और जनजागरण अभियानों की जानकारी दी।

आरोग्य भारतीय के पूर्वी क्षेत्र प्रचारक संग्राम सिंह ने संगठन द्वारा किए जा रहे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन वैद्य एस.के. राय विभाग संयोजक, आरोग्य भारती काशी प्रांत एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व राष्ट्रीय पर्यावरण टोली सदस्य ने अपने जीवंत अंदाज में किया और पूरे कार्यक्रम में प्रतिभागियों को जोड़े रखा।

मंच पर प्रो. जी.एस. तोमर (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आरोग्य भारती) भी उपस्थित रहे। डॉ. इंद्रेश सिंह ने शांति पाठ कराया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. स्नेहा शर्मा ने किया।

कार्यशाला में वैद्य गौरव कुमार सिंह, सर्व व्यवस्था प्रमुख डॉ अजय मिश्रा ,सह सर्व व्यवस्था प्रमुख नागेन्द्र, समन्वयक वैद्य शशिकांत राय, सह समन्वयक डॉ उमेश शर्मा सहित लगभग 60 लोगों की उपस्थिति रहे।

फूलपुर तहसील में बार-बेंच समन्वय बैठक सोमवार को

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। तहसील में बार और बेंच के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के उद्देश्य से सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं के बीच संवाद स्थापित किया जाएगा।

फूलपुर तहसील में सोमवार को बार और बेंच के मध्य समन्वय को मजबूत करने के लिए एक सामान्य बैठक आयोजित की जा रही है। यह बैठक दोपहर 12 बजे तहसील सभागार में होगी, जिसमें नवागत एसडीएम अविनाश यादव एवं तहसीलदार रवि प्रकाश सिंह तथा तहसील के अधिवक्ता भाग लेंगे।

अधिवक्ता संघ फूलपुर के मुख्य चुनाव अधिकारी रामचंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक का उद्देश्य अधिवक्ताओं और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद और कार्य समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने सुझाव और समस्याएं साझा करें।

छिनैती करने वाले 2 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से मोबाइल फोन व घटना मे प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना फाफामऊ पर पंजीकृत मुकदमा से सम्बन्धित 2 वांछित अभियुक्त विशाल कुमार पुत्र शिव प्रसाद विश्वकर्मा निवासी ग्राम आदमपुर पभना थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज . राहुल कुमार पुत्र ओमप्रकाश पटेल निवासी ग्राम मसनी थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा रविवार को थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत सेवइत जाने वाली रोड स्थित मोनू पनीर की दुकान के पास से मुकदमा उपरोक्त में छीनी गयी मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया।

नकबजनी करने वाला गिरफ्तार

कौंधियारा पुलिस टीम की कार्यवाही, आभूषण, नगदी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कौंधियारा पुलिस टीम द्वारा कौंधियारा क्षेत्र के कैथा पुलिया के पास से 24 घंटे के अन्दर अभियुक्त अनीश पाण्डेय निवासी ग्राम बेलसारा थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से हाफ पेटी, 2 कमर पेटी, एक चुड़ा, 2 सिकड़ी 3 जुडी हुई बिछिया, 11 बिछिया, 3 जोडी पायल, 2 छागल व 1 टुटी हुई अंगुठी, 1 टुटा हुआ मंगल सुत्र,1 मांगटिका, 2 नाक की नथिया, 1 नाक की पुल्ली तथा चोरी के 5,790 रुपए बरामद किये गये।

वादी मुकदमा अनुज कुमार साहू पुत्र रामनारायण साहू निवासी बेलसारा थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज द्वारा दिनांक-02.05.2026 को थाना स्थानीय पर दी गयी तहरीर बावत अज्ञात चोरों द्वारा बड़े भाई की बेटी की शादी समारोह में सम्मिलित होने के दौरान प्रार्थी के घर व प्रार्थी के बड़े भाई के घर का ताला तोड़कर ज्वैलरी व रुपए चोरी कर लेने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 130/26 धारा 305( )/331(4) बीएनएस पंजीकृत कराया गया था । अभियोग पंजीकृत कर माल बरामदगी व आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन कर प्रयास किया जा रहा था, जिसके क्रम में आज थाना कौंधियारा पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 24 घंटे के अन्दर अभियुक्त अनीश पाण्डेय उर्फ गब्बर पाण्डेय उपरोक्त को चोरी के आभूषणों व 5,790 रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया । विवेचना से मुकदमा उपरोक्त में धारा-317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी। पुलिस की माने तो अभियुक्त अनीश पाण्डेय द्वारा पूछताछ के दौरान बताया गया कि दिनांक 01.05.2026 की रात्रि में गांव के ही रहने वाले धर्मराज साहू पुत्र राम नारायण साहू के बेटी की शादी थी, जिसमें सभी लोग सम्मिलित होने गये थे । घर पर कोई मौजूद नही था, इसका फायदा उठाकर मैने छत के रास्ते से घर में प्रवेश कर जेवरात व रूपयों की चोरी की तथा चोरी किये गये रूपयो में से कुछ रुपए मैने खर्च कर दिये हैं। लिखा पढ़ी करने के बाद पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया।

वाराणसी : सुंदरपुर की अंजनीपुरम कालोनी को मिलेगी जलभराव से मुक्ति

महापौर अशोक तिवारी ने रखी भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के कार्य की आधारशिला

वाराणसी। वाराणसी नगर निगम शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और जनसमस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में संजीदा है। रविवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी ने सुंदरपुर स्थित अंजनीपुरम कॉलोनी में जल निकासी की सुचारू व्यवस्था के लिए भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास किया। कुल 29.16 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस कार्य से क्षेत्रीय नागरिकों को वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या से निजात मिलने की उम्मीद जग गई है।

इस अवसर पर महापौर अशोक कुमार तिवारी ने कहा नगर निगम जन-जन की सुविधाओं के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य शहर के हर वार्ड और हर गली को मूलभूत सुविधाओं से लैस करना है। अंजनीपुरम कॉलोनी में 481 मीटर लंबी इस पाइपलाइन के बिछ जाने के बाद यहां जलभराव बीते दिनों की बात हो जाएगी।

युवकों को मारपीट कर लूटपाट करने वाले तीन अभियुक्त धराए

दो मोबाइल, नगदी और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। पुलिस ने गैंग बनाकर लूटपाट की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों को पकड़कर जेल भेज दिया है । पकड़े गए तीन आरोपियों के कब्जे से लूटे गए मोबाइल फोन, नकदी और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। बता दें कि 19 अप्रैल को करूआड़ीह गांव निवासी मनीष कुमार पुत्र राम कैलाश एवं उज्जवल पुत्र कमलेश कुमार के साथ हुई मारपीट के साथ लूटपाट हुई थी। एसओजी और सर्विलांस सेल गंगानगर और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से लूट के दो मोबाइल फोन, 1700 रुपये

नकद बरामद हुआ है। घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है।एसीपी फूलपुर विवेक यादव ने बताया कि भुक्तभोगी करूआड़ीह गांव निवासी मनीष कुमार पुत्र राम कैलाश एवं उज्जवल पुत्र कमलेश कुमार 19 अप्रैल को निमंत्रण से घर लौट रहे थे, तभी फूलपुर के दलपतपुर रामपुर गांव के पास चार अज्ञात बदमाशों ने उनकी बाइक रुकवाकर मारपीट की।

इसके बाद उसे कुछ दूर ले जाकर मोबाइल फोन छीन लिया और पिन भी जबरन हासिल कर लिया। परासिनपुर नहर पुलिया के पास से तीनों अभियुक्तों अतुल भारतीया उर्फ सुधांशु पुत्र विजय बहादुर, मोहित भारतीया पुत्र राम कैलाश निवासीगण हिरामनपुर थाना सराय ममरेज एवं और सरवन उर्फ विजय कुमार पुत्र राम जी भारतीय निवासी चकिया साथर थाना सराय ममरेज को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने मोबाइल और उसके पिन का उपयोग कर ऑनलाइन खरीदारी की और पैसों का लेन-देन कर मौज-मस्ती में खर्च किया।

गिरफ्तार करने वाली टीम में

प्रभारी निरीक्षक फूलपुर शेषनाथ पाल, वारिष्ठ उपनिरीक्षक सौरभ पांडेय, एसओजी सुखचैन तिवारी, उपनिरीक्षक संतोष राय, समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

सीवर खोदाई में 12 फीट नीचे जिंदा दबा मजदूर, तीन घंटे बाद निकाला गया शव

सदियापुर में हादसा—मिट्टी धंसने से गई जान, जेसीबी चालक व ठेकेदार मौके से फरार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज के सदियापुर इलाके में रविवार को सीवर लाइन की खोदाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मिट्टी धंसने से एक मजदूर करीब 12 फीट गहरे गड्ढे में जिंदा दब गया। सूचना पर पहुंची अतरसुइया पुलिस, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम ने करीब तीन घंटे तक रेस्क्यू चलाकर मजदूर को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

बताया जा रहा है कि गंगा प्रदूषण नियंत्रण परियोजना के तहत गुरु सैदवा घाट के पास सीवर लाइन बिछाने का काम चल रहा था। रविवार सुबह करीब 11 बजे जेसीबी से गहरा गड्ढा खोदकर पाइप डाली जा रही थी, तभी अचानक मिट्टी भरभराकर गिर गई और एक मजदूर उसमें दब गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। साथी मजदूरों ने फावड़ों से मिट्टी हटाकर उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना के बाद जेसीबी चालक मशीन लेकर फरार हो गया, जबकि ठेकेदार भी मौके से भाग निकला। पुलिस ने अतिरिक्त जेसीबी मंगवाकर रेस्क्यू तेज किया और काफी मशक्कत के बाद मजदूर को बाहर निकाला। मृतक की पहचान बहिरया निवासी 45 वर्षीय गया प्रसाद पाल के रूप में हुई है।

हादसे के बाद मजदूरों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने शव उठाने से इनकार करते हुए पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। एसीपी अतरसुइया निकिता श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर मजदूरों को शांत कराया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई व परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

प्रयागराज के मुंडेरा में 8 साल के मासूम की संदिग्ध मौत, मां और कथित मामा हिरासत में

सबसे तेज प्रयागराज। मुंडेरा एडीए कॉलोनी क्षेत्र में शनिवार रात 8 साल के मासूम अयान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। बच्चे के शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं, जबकि उसके मुंह से भी काफी खून बहा था। सूचना मिलने पर धूमनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि बच्चे की मां सीमा मूल रूप से कौशांबी के सरायअकिल क्षेत्र की रहने वाली है। उसकी शादी मेरठ निवासी एक व्यक्ति से हुई थी, जो सऊदी अरब में नौकरी करता है। पति-पत्नी के बीच तलाक का मामला चल रहा था। इसी दौरान सीमा की मुलाकात उबैद नामक युवक से हुई, जो बेगम बाजार क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। बाद में सीमा अपने तीन बच्चों के साथ मुंडेरा में उबैद के साथ किराए के मकान में रहने लगी। शनिवार शाम सीमा काम पर गई हुई थी।

मोहल्लेवालों के अनुसार करीब 7 बजे घर से अयान के तेज रोने और चीखने की आवाजें सुनाई दीं। कुछ देर बाद आवाज बंद हो गई। थोड़ी देर बाद सीमा घर पहुंची और खून से लथपथ अयान को लेकर अस्पताल भागी, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस पूछताछ में पहले मां ने दावा किया कि बच्चा सीढ़ियों से गिरकर घायल हुआ था। लेकिन जब पुलिस ने छोटे भाइयों से पूछताछ की तो मामला संदिग्ध हो गया। दोनों बच्चों ने बताया कि उनके बड़े भाई अयान को "मामू ने मारा" था।

इसके बाद पुलिस ने उबैद को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि वह बच्चों को पढ़ाता था और शनिवार को पढ़ाने के दौरान उसने अयान को थप्पड़ मारे थे।

उसके अनुसार बाद में अयान सीढ़ियों से गिर गया। हालांकि आसपास के लोगों का कहना है कि उबैद बच्चे को अक्सर बेरहमी से पीटता था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। घर से कई अहम साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस ने मां सीमा और उबैद दोनों को हिरासत में लिया है।

डीसीपी मनोज कुमार शांडिल्य ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत रविवार को थाना ककोड़ पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान झाझर से रबुपुरा मार्ग पर अभियुक्त को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त दीपक कुमार पुत्र हरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम हबीबपुर थाना खुर्जा नगर जनपद बुलन्दशहर।

प्रधानों द्वारा जिलाधिकारी का घेराव प्रदशन आज

अखिल भारतीय प्रधान संघ घेराव के बाद मांगो ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपेंगे

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। अखिल भारतीय प्रधान संघठन द्वारा त्रियस्त्री पंचायत चुनाव समय से कराने की मांग को लेकर प्रदेश भर में आंदोलन चला रहा है। जिसके तहत प्रयागराज जनपद प्रत्येक ब्लाकों में संघठन द्वारा बैठके करके आंदोलन की बड़ी रणनीत तैयार किया है। संघठन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि पंचायत चुनाव समय से कराए। यदि किसी कारण वश्य पंचायत चुनाव समय पर नहीं करा पाती है तो गांवो मे ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाए। ना की सरकारी प्रशासक नियुक्त करे। यदि सरकार मनमानी ढंग से ताना साही अपना कर सरकारी प्रशासक नियुक्त करती है तो प्रधानों द्वारा बड़ा आंदोलन खड़ा करके सरकार से आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए प्रधान संघठन बाध्य होगा। जिसका खामियाजा सरकार को 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भुक्तना पड़ेगा। संघठन ने क्षेत्र के विधायको वा सांसदो का घेराव करके भी मुख्यमंत्री को संबोधित अपनी मांग पत्रों को सौंपेगा। संघठन के प्रदेश सचिव जगदीश कुमार गुप्ता वा फूलपुर के प्रधान संघ अध्यक्ष योगेंद्र कुमार भारतीय ने जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों से अनुरोध किया है कि सभी ग्राम प्रधान अपने पंचायत सदस्यों के साथ सोमवर को सुबह 11 बजे तक जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर आंदोलन को सफल बनाएं। जिससे सरकार प्रधानों की मांगो को मानने पर बाध्य हो।

संगठन के विस्तार पर दिया जा रहा जोर : पं शिवदत्त शुक्ला

कहा कि प्रदेश के 35 जिलों में संगठन का हुआ गठन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राष्ट्रीय परशुराम फाउंडेशन के प्रदेश महामंत्री संजय मिश्रा की अध्यक्षता में आज संगोष्ठी सलोरी के एक गेस्ट हाउस में हुई इस दौरान संगठन के विस्तार, उददेश्यों, संगठन को कैसे आगे बढ़ाया जाए एवं कैसे अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए, इस पर चर्चा की गई, सभी ने अपना - अपना मत व्यक्त किया। राष्ट्रीय परशुराम फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष पं शिवदत्त शुक्ला ने बैठक में बताया कि राष्ट्रीय परशुराम फाउंडेशन का प्रदेश के 35 जिलों में गठन हो चुका है जहां पर कार्यकारिणी सहित अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौपी जा चुकी है जबकि शेष 40 जिलों में 15 जुलाई तक कार्यकारिणी का गठन हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान सनातन धर्म की मजबूती, अधिक से अधिक लोगों को जोडना, संगठन विस्तार और गठन पर जोर दिया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष पं शिवदत्त शुक्ला ने बताया कि यूजीसी के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है इसके वापसी तक व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इसके वापसी तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा और इसके लिए केन्द्र सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पं शिवदत्त शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष पं राजेश मिश्रा, मीडिया प्रभारी पं गंगा दुबे, प्रयागराज जिला अध्यक्ष एवं चंदौली जिला अध्यक्ष प्रयागराज महामंत्री सहित बडी संख्या में सदस्य शामिल हुए।

संगठन का आधार है प्रशिक्षण अभियान - मनीष शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत योजना एवं जिला कार्यसमिति की बैठक हुई। इसमें भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला प्रशिक्षण महाअभियान प्रभारी मनीष शुक्ल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकताओं के अंदर की प्रतिभा निखरती है। उन्होंने कहा कि संगठन का आधार प्रशिक्षण अभियान है। बताया कि प्रशिक्षण अभियान में सेवा, समर्पण, अनुशासन जैसे विषयों पर 12 सत्रों में चर्चा परिचर्चा की जाएगी। कार्यकर्ता को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि जनसेवा केवल भाषणों से नहीं, बल्कि आम लोगों के बीच जाकर उनके सुख-दुख को समझकर की जा सकती है और यही भावना प्रशिक्षण अभियान में निखरकर सामने आती है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है। प्रशिक्षण कार्यकर्ता को तराशने की प्रक्रिया है। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता व संचालन जिला महामंत्री डॉ शैलेश पांडेय ने किया। शशि वार्ष्णेय, आनंद सोनकर, अनुज कुशवाहा, प्रमोद सिंह, रवि केसरवानी, प्रमोद मोदी, वंदना सिंह, विजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, चंद्रा अहलूवालिया, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्र, राजेश गोंड, शुभम सिंह, सुजीत कुशवाहा, रोहित, वंदना शर्मा, गया प्रसाद, आनंद दुबे समेत अन्य कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

नाटक 'मेरे बच्चे' का प्रभावशाली मंचन

आघात और नैतिकता की द्वंद्व में जूझते दिखे चरित्र

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विश्वविख्यात नाट्यकार आर्थर मिलर के चर्चित नाटक ह्यऑल माइ संसह्न पर आधारित हिंदी नाटक ह्यमेरे बच्चेह्न एक गहरे मानवीय और सामाजिक द्वंद्व को मंच पर लाने वाला यह नाटक व्यक्तिगत स्वार्थ और सामाजिक उत्तरदायित्व के टकराव की मार्मिक कथा को उद्धृत किया। पिता और पुत्र के रिश्ते के माध्यम से यह कथा नैतिकता, अपराधबोध और प्रायश्चित के प्रश्नों को तीव्रता से उभारता है। नाटक का बहुत प्रभावशाली मंचन बैकस्टेज संस्था की ओर से प्रवीण शेखर के निर्देशन में किया गया। कलाकारों के सशक्त अभिनय के साथ स्पेस का खूबसूरत और रचनात्मक प्रयोग दिखा। नाटक का हिंदी रूपांतरण प्रतिभा अग्रवाल का रहा। द्वितीय विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि में रचित इस नाटक में जिओ केलर (जमुना प्रसाद) द्वारा सेना को दोषपूर्ण सिलिंडर उपलब्ध कराने के कारण 21 पायलटों की मृत्यु हो जाती है, किंतु वह अपने अपराध का दोष अपने साझीदार पर डालकर बच निकलता है। जब यह सच्चाई उसके पुत्र (प्रदीप) के सामने आती है, तो वह गहरे आघात और नैतिक द्वंद्व से गुजरते हुए अपने पिता को न्याय के कटघरे में लाने का निर्णय करता है।

अंततः अपराधबोध से ग्रस्त पिता आत्महत्या कर अपने कृत्य का प्रायश्चित करता है। ह्यमेरे बच्चेह्न के कथा को भारतीय परिवेश में रूपांतरित करते हुए इलाहाबाद के आसपास के एक छोटे शहर में स्थापित करता है, जहाँ पात्र उत्तर भारतीय समाज की जटिलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। यह नाटक आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक दिखा। व्यक्तिगत लाभ के लिए समाज और राष्ट्रहित की अनदेखी के उदाहरण बार-बार सामने आते हैं और यह हमें नैतिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित करते हैं। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अनुदान से निर्मित प्रस्तुति में सतीश तिवारी, अमर सिंह और चाहत जायसवाल ने अपने सशक्त और जीवंत अभिनय से मंच को पूरी तरह साधा। पात्रों की गहराई और भावनात्मक तीव्रता स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई, जो दर्शकों को बांधे रखने में अंत तक सफल रही। दिलीप श्रीवास्तव, उपासना तिवारी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री बीजला (BEEZLA) का नाम बदल कर अब बीजलह (BEEZLAH) रख लिया है। अब इसी नए नाम से ही जाना पहचाना जाय।

- अबू जैद पुत्र श्री मुस्ताक अहमद
निवासी- शेखपुर,
फूलपुर प्रयागराज 212402

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र पर हमला और चुनावी प्रक्रिया की साख पर

पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावी परिदृश्य ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जिस प्रक्रिया को संविधान ने जनता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति का माध्यम माना है, उसी प्रक्रिया के दौरान हिंसा, मारपीट, डराने-धमकाने और चुनावी मशीनों से छेड़छाड़ जैसे आरोप सामने आना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। हाल के घटनाक्रमों में भाजपा कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों पर हमले, बूथों पर तनाव और ईवीएम के साथ कथित छेड़छाड़ की खबरें इस बात का संकेत देती हैं कि चुनाव केवल मतदान का कार्य नहीं रह गया है बल्कि शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा है।

इन घटनाओं के केंद्र में राजनीतिक दलों के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा तो है ही, लेकिन उससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि क्या मतदाता वास्तव में बिना भय के अपना मताधिकार इस्तेमाल कर पा रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं, वहीं तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों पर हिंसा फैलाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्थिति केवल राजनीतिक टकराव नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा है।

चुनाव के दौरान हिंसा की घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन जिस तरह से बूथ स्तर पर एजेंटों को निशाना बनाया गया, उम्मीदवारों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई और खुलेआम मारपीट हुई, वह यह दर्शाता है कि कानून और व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि हर नागरिक बिना किसी दबाव के अपने मत का प्रयोग करे। लेकिन जब किसी पोलिंग एजेंट को घायल कर दिया जाता है या किसी उम्मीदवार को मतदान केंद्र के आसपास घेर लिया जाता है, तो यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर आघात है।

सबसे गंभीर आरोप ईवीएम मशीनों के साथ छेड़छाड़ को लेकर सामने आए हैं। यदि किसी भी मतदान केंद्र पर किसी विशेष पार्टी के चुनाव चिन्ह के सामने टेप लगाया जाता है, तो यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता को बाधित करने का प्रयास माना जाएगा। इस प्रकार की घटनाएं लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट कहा है कि जहां भी ऐसी शिकायतें सही पाई जाएंगी, वहां पुनर्मतदान कराया जाएगा। यह कदम आवश्यक है, लेकिन इससे यह सवाल भी उठता है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न ही क्यों हुई। राजनीतिक बयानबाजी भी इस पूरे माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना रही है। ममता बानर के नेतृत्व वाली सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं हो पा रहा है। वहीं सत्ताधारी दल इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज करता है। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच असली मुद्दा कहीं पीछे छूट जाता है, जो है आम मतदाता की सुरक्षा और स्वतंत्रता। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह जनता के विश्वास का प्रतीक होता है। यदि इस प्रक्रिया में हिंसा और डर का माहौल हावी हो जाए, तो यह विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। पश्चिम बंगाल में सामने आई घटनाएं यह संकेत देती हैं कि राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। किसी भी दल की जीत या हार से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण हो। यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं चलता, बल्कि उसमें भाग लेने वाले सभी पक्षों की जिम्मेदारी होती है। राजनीतिक दल, प्रशासन, सुरक्षा बलों और मतदाताओं सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होता है कि चुनाव एक उत्सव की तरह संपन्न हो, न कि संघर्ष के मैदान की तरह। जब कार्यकर्ता हिंसा का सहारा लेते हैं, तो वे अपने ही लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करते हैं।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम हेट स्पीच

एडवोकेट किशन सनमुखदास

सुप्रीम कोर्ट के 29 अप्रैल 2026 फैसले का व्यापक समग्र विश्लेषण भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)() नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं

हेट स्पीच केवल एक कानूनी समस्या नहीं है यह एक सामाजिक, नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है,भारत में कानूनों की कमी नहीं है, बल्कि उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने की यह सख्ती से क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है

वैश्विक स्तरपर संचार क्रांति ने जिस गति से समाज को बदला है,वह अभूतपूर्व है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और 247 ब्रॉडकास्ट मीडिया के विस्तार ने सूचना के प्रवाह को इतना तेज बना दिया है कि अब किसी व्यक्ति, चाहे वह आम नागरिक हो,राजनीतिक नेता हो या धार्मिक वक्ता,इनका एक शब्द भी कुछ ही मिनटों में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। यह तकनीकी प्रगति जहां लोकतंत्र को मजबूत करने, विचारों के आदान-प्रदान और पारदर्शिता बढ़ाने का माध्यम बनी है,वहीं इसके नकारात्मक पहलू भी उतनी ही तेजी से सामने आए हैं। खासकर हेट स्पीच यानें नफरत फैलाने वाले भाषणों ने सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे की भावना के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जब कोई भड़काऊ बयान, अफवाह या सांप्रदायिक टिप्पणी वायरल होती है, तो उसका प्रभाव केवल डिजिटल दुनियाँ तक सीमित नहीं रहता, वह वास्तविक जीवन में तनाव,अविश्वास, हिंसा और यहां तक कि दंगों का कारण बन सकता है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत समेत दुनियाँ के कई देशों में हेट स्पीच को नियंत्रित करने के लिए कानूनों और न्यायिक हस्तक्षेप की मांग तेज हुई है।

केवल अधिकार नहीं, जिम्मेदारी भी है पत्रकारिता की स्वतंत्रता

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस को सदैव लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की संज्ञा दी जाती रही है क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बहुत अहम माना गया है लेकिन विड़म्बना है कि विगत कुछ वर्षों से यहां भी प्रेस स्वतंत्रता के मामले में लगातार कमी देखी जा रही है। इसीलिए प्रतिवर्ष 3 मई को ह्यविश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवसह्ण मनाया जाता है। कलम को तलवार से भी ज्यादा ताकतवर और तलवार की धार से भी ज्यादा प्रभावी इसीलिए माना गया है क्योंकि इसी की सजगता के कारण न केवल भारत में बल्कि अनेक देशों में पिछले कुछ दशकों के भीतर बड़े-बड़े घोटालों का पदार्फाश हो सका, जिसके चलते बड़े-बड़े उद्योगपतियों, नेताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को एक ही झटके में अर्श से फर्श पर आना पड़ा। यही कारण हैं कि समय-समय पर कलम रूपी इस हथियार को भोथरा बनाने या तोड़ने के कुचक्र होते रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में सच की कीमत कुछ पत्रकारों को अपनी जान देकर भी चुकानी पड़ती है। पिछले दशकों में प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में स्थितियां काफी बदल गई हैं। आज दुनियाभर में पत्रकारों पर राजनीतिक, अपराधिक और आतंकी समूहों का सर्वाधिक खतरा है और भारत भी इस मामले में अछूता नहीं है। विड़म्बना है कि दुनियाभर के न्यूज रूम्स में सरकारी तथा निजी समूहों के कारण भय और तनाव में वृद्धि हुई है।

पेरिस स्थित रिपोर्टर्स सैन्स फ्रंटियर्स (आरएसएफ) अथवा रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स नामक संस्था द्वारा हर साल अपनी वार्षिक रिपोर्ट

में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर जो तथ्य प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, वे सदैव चौंकाने वाले होते हैं। हालांकि यह अलग बात है कि कुछ देश इस रिपोर्ट में जारी किए जाने वाले आंकड़ों को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताकर खारिज भी करते रहे हैं। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स एक ऐसा गैर-लाभकारी संगठन है, जो विश्वभर के पत्रकारों पर हमलों का दस्तावेजीकरण करने और मुकाबला करने के लिए कार्यरत है और प्रतिवर्ष वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स अर्थात विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक रिपोर्ट पेश करता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019 में उसने भारत सहित विभिन्न देशों में प्रेस की स्वतंत्रता की स्थिति की विवेचना करते हुए स्पष्ट किया था कि किस प्रकार विश्वभर में पत्रकारों के खिलाफ घृणा हिंसा में बदल गई है, जिससे दुनियाभर में पत्रकारों में डर बढ़ा है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2026 के अनुसार, 180 देशों की सूची में भारत 157वें स्थान पर खिसक गया है जबकि 2025 में भारत 151वें स्थान पर था यानी एक वर्ष में छह स्थानों की गिरावट दर्ज की गई है। इससे पूर्व 2024 में भारत 159वें, 2023 में 161वें और 2022 में 150वें पायदान पर खड़ा था। यह रिपोर्ट प्रेस स्वतंत्रता के लिए भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट का संकेत देती है। रिपोर्ट के मुताबिक पत्रकारों के साथ व्यवहार के लिए संतोषजनक माने जाने वाले देशों की संख्या बढ़ रही है लेकिन ऐसी संख्या भी कम नहीं है, जहां स्थिति बहुत गंभीर है।

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स द्वारा जारी दुनियाभर के देशों की प्रेस फ्रीडम रैंकिंग में भारत जहां 2024 में 2023 के मुकाबले दो पायदान ऊपर चढ़ा, वहीं 2023 में 2022 के मुकाबले 11 पायदान नीचे गिरा था और 2022 में भी 2021 की रैंकिंग के मुकाबले 8 स्थान नीचे फिसला था। 2021 की रैंकिंग में भारत का स्थान 142वां था। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2026 की सूची में नॉर्वे शीर्ष पर है। भारत के लोकतंत्र को तो दुनिया का सबसे सफल और बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, वहीं अगर नार्वे जैसा छोटा सा देश प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में लगातार शीर्ष स्थान पर विराजमान है और चीन को छोड़कर भारत के लगभग सभी पड़ोसी देश भी बेहतर स्थिति में है तो यह स्थिति भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिए सही स्थिति नहीं है। ऐसे में हमें गंभीरता से मंथन करने की जरूरत है कि हम इस मामले में वर्ष दर वर्ष क्यों फिसल रहे हैं प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में यह गिरावट स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

प्रेस की स्वतंत्रता में कमी आने का सीधा और स्पष्ट संकेत यही है कि लोकतंत्र की मूल भावना में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार निहित है, उसमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। समाज में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसीलिए इसे लोकतंत्र का चौथा मजबूत स्तंभ माना गया है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार खासकर इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा बगैर किसी जानकारी को जांचे-परखे केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए झूठ का बवंडर तैयार किया जाता है, उसे देखकर कई बार तो ऐसा प्रतीत होता है मानो टीवी चैनल पर समाचा या कोई न्यूज कार्यक्रम नहीं बल्कि कोई मसालेदार राजनीतिक फिल्म चल रही हो। इसका सबसे बड़ा नुकसान यही हो रहा है कि लोगों का विश्वास मीडिया पर निरंतर कम हो रहा है और लोगों का आकर्षण सोशल मीडिया की ओर बढ़ रहा है, जहां पहले से ही फेक न्यूज बहुत बड़ी समस्या मौजूद है तथा एआई इस समस्या को और ज्यादा बढ़ाने में बड़ा योगदान दे रही है। भारतीय संविधान में प्रेस को अलग से स्वतंत्रता प्रदान नहीं की गई है बल्कि उसकी स्वतंत्रता भी नागरिकों की अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता में ही निहित है और देश की एकता तथा अखण्डता खतरे में पड़ने की स्थिति में इस स्वतंत्रता को बाधित भी किया जा सकता है किन्तु ऐसी कोई स्थिति निर्मित नहीं होने पर भी देश में पत्रकारिता का चुनौतीपूर्ण बनते जाना लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं है बल्कि यह स्पष्ट रूप से कुछ शक्तियों द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था के चौथे स्तंभ को ध्वस्त करने का ही प्रयास माना जाता है। कल्पना की जा सकती है कि प्रेस की स्वतंत्रता अगर इसी प्रकार सवालों के घेरे में रही तो पत्रकार कैसे पारदर्शिता के साथ अपने कार्य को अंजाम देते रहेंगे प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित करने के प्रयासों के चलते कैसे सच को उजागर कर उसे निष्पक्ष तरीके से जनता तक पहुंचाया जाना संभव होगा देश में प्रेस की स्वतंत्रता बरकरार रहे, इसके लिए किसी मीडिया संस्थान से जुड़े पत्रकार हों या स्वतंत्र पत्रकार, उनकी सुरक्षा को लेकर कड़े कानून बनाए जाने की सख्त दरकार है ताकि बगैर किसी दबाव या भय के पत्रकार अपना कर्त्तव्य बखूबी निभाते रहें। हालांकि यह भी बेहद जरूरी है कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ प्रेस को भी अपनी सीमाओं और मयार्दाओं का ध्यान रखते हुए अपनी स्वतंत्रता का सही इस्तेमाल करना चाहिए।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शांति के भविष्य का निर्माणः स्वतंत्र प्रेस की निर्णायक भूमिका

सुनील कुमार महला

मीडिया की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की मजबूती के संदर्भ में हर वर्ष 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि मीडिया केवल समाचार देने का ही माध्यम नहीं है, बल्कि यह विश्व में शांति, पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करने का भी एक सशक्त व शानदार उपकरण है। कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश में प्रेस की स्थिति उसके लोकतंत्र की मजबूती का असली दर्पण होती है, शायद यही कारण भी है कि इसे ह्यलोकतंत्र का आईनाह्ण भी कहा जाता है। वास्तव में, प्रेस की स्वतंत्रता सीधे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ी है, जो एक मौलिक मानव अधिकार है।सच तो यह है कि यह केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि कानूनी अधिकार भी है।पाठक जानते होंगे कि कई देशों में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी एक बड़ी चुनौती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को समझाना, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

यदि हम इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें तो वर्ष 1991 में नामीबिया(अफ्रीका) में आयोजित सम्मेलन में विंडहोक घोषणा को अपनाया गया था, जिसमें स्वतंत्र, बहुलवादी और मुक्त प्रेस का आह्वान किया गया। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1993 में 3 मई को इस दिवस के रूप में घोषित किया। गौरतलब है कि यह प्रस्ताव यूनेस्को के 26वें महासम्मेलन में पारित किया गया था।यहां उल्लेखनीय है कि इस दिवस पर हर वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। वर्ष 2026 में यह सम्मेलन लुसाका (जाम्बिया) में आयोजित हो रहा है, जहां पत्रकार, तकनीकी विशेषज्ञ, नीति-निमार्ता और मानवाधिकार कार्यकर्ता एक साथ विचार-विमर्श करते हैं। इतना ही नहीं, इसी अवसर पर यूनेस्को द्वारा गिलर्मो कैनो विश्व प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है, जो उन पत्रकारों को सम्मानित करता है, जिन्होंने जोखिम उठाकर सत्य को निष्पक्षता और निडरता से दुनिया के सामने उजागर किया।बहुत कम लोग जानते हैं कि रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स हर वर्ष विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक जारी करता है, जिससे यह आकलन किया जाता है कि किस देश में मीडिया कितनी स्वतंत्र है। वास्तव में, यह सूचकांक वैश्विक स्तर पर प्रेस की स्थिति को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

आज एआइ व संचार क्रांति का दौर है और आज के डिजिटल युग में प्रेस की परिभाषा और स्वरूप दोनों बदल गए हैं। पहले जहां अखबार, रेडियो और टीवी प्रमुख थे, वहीं अब इंटरनेट और सोशल मीडिया भी डिजिटल प्रेस का रूप ले चुके हैं। आम नागरिक भी अब सूचना के प्रसार में भागीदारी कर रहे हैं। इससे सूचना का प्रवाह तेज हुआ है, लेकिन फेक न्यूज और दुष्प्रचार का खतरा भी बढ़ गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) ने पत्रकारिता के क्षेत्र में नए अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा की हैं। यह खबरों के संग्रह और विश्लेषण को तेज बनाती है, लेकिन इसका दुरुपयोग गलत सूचनाएं फैलाने में भी हो सकता है। सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि लोगों को कौन-सी खबर दिखाई जाएगी, जिससे अदृश्य नियंत्रण का एक नया स्वरूप उभर रहा है। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है, जो समकालीन चुनौतियों को दशार्ती है। वर्ष 2025 की थीम थी-बहादुर नई दुनिया में रिपोर्टिंगः प्रेस स्वतंत्रता और मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव। वास्तव में, यह थीम खास तौर पर इस बात पर केंद्रित थी कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) पत्रकारिता, मीडिया और सूचना प्रणाली को कैसे बदल रही है।एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)पत्रकारिता को तेज और प्रभावी बना रही है,लेकिन साथ ही फेक न्यूज, डीपफेक और दुष्प्रचार जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ा रही है।इस थीम का मुख्य संदेश था कि तकनीक का उपयोग इस तरह किया जाए कि वह प्रेस की स्वतंत्रता को मजबूत करे, कमजोर नहीं।वहीं वर्ष 2026 की थीम है-शांति के भविष्य का निमार्णः मानवाधिकार, विकास और सुरक्षा के लिए प्रेस स्वतंत्रता को बढ़ावा देना। भारत के संदर्भ में, संविधान में प्रेस की स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन यह अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में निहित है। यह नागरिकों को बिना किसी भय के अपनी बात रखने का अधिकार देता है।हालांकि; राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और नैतिकता के आधार पर कुछ सीमाएं भी लागू होती हैं। गौरतलब है कि भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारतीय प्रेस परिषद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया जैसे संस्थान कार्यरत हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स और कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सबसे महंगी रसोई गैस गरीबों को

सनत जैन

छोटू सिलेंडर सबसे महंगा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का मतदान 29 अप्रैल को जैसे ही खत्म हुआ उसके तुरंत बाद सरकार की सबसे बड़ी महंगाई की गाज गरीबों और मध्यम वर्ग के ऊपर पड़ी है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 5 किलो के छोटे सिलेंडर में 261 रुपए की मूल्य वृद्धि कर दी है। भारत में यह सबसे महंगी गैस हो गई है जो 162 रुपए किलो गरीबों को खरीदनी पड़ेगी। पेट्रोलियम कंपनियों ने कमर्शियल रसोई गैस के सिलेंडर से ज्यादा छोटू सिलेंडर की रखी है। निदित रूप से 5 किलो वाले सिलेंडर की सप्लाई पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा की जा रही है। पिछले दो महीने में सरकार और पेट्रोलियम कंपनी ने 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर के कनेक्शन बड़ी मात्रा में उपलब्ध कराए हैं। अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद एलपीजी गैस की कमी होने के कारण सरकार ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। 5 किलो के छोटू सिलेंडर ज्यादा से ज्यादा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए लोगों को 5 किलो के सिलेंडर लेने पड़ रहे हैं। इसमें भी पेट्रोलियम कंपनी को कमाई हो रही है। गैस के दाम भी सबसे ज्यादा कर दिए हैं। लाखों लोग रोजाना 5 किलो के सिलेंडर पेट्रोलियम कंपनियों से ले रहे हैं। 14 किलो वाले सिलेंडर की सप्लाई लगातार कम होती जा रही है। इसमें सरकार को सब्सिडी देना पड़ती है। दूसरा इसके लिए गैस भी पेट्रोलियम कंपनियों के पास ज्यादा होनी चाहिए। एक संयोजित रणनीति के तहत 14 किलो के गैस सिलेंडर के स्थान पर 5 किलो के गैस सिलेंडर की सप्लाई बढ़ा दी गई है। भारत में सबसे महंगी गैस गरीबों और मध्यम वर्ग को खरीदना पड़ रही है। कमर्शियल गैस सिलेंडर जो 19 किलो वाला है वह भी छोटू सिलेंडर की तुलना में कम कीमत पर पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बेचा जा रहा है। रही सही कसर दो-चार दिन में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने को लेकर पूरी होने जा रही है। पेट्रोलियम मंत्री ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाने का संकेत दे दिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक माह में तीन से चार बार कीमत बढ़ाई जाएगी। 20 से 25 रुपये प्रति लीटर डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ाने की संभावना जताई जा रही है। जैसे ही पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ेंगे उसके बाद बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ेगी। इसका खामियाजा भी सबसे ज्यादा गरीब और मध्यम वर्ग को ही भुगतना पड़ेगा। इन्हीं की जनसंख्या सबसे ज्यादा है। यही सबसे ज्यादा खाते हैं, पीते हैं, खर्च करते हैं और बोझ भी बहुत सारा सरकार इन्हीं पर डाल रही है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी निजी पेट्रोलियम कंपनियों के ऊपर बड़े मेहरबान हैं। पिछले 4 साल में जब कच्चे तेल के दाम कम थे, उस समय भी निजी क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी को भारी मुनाफा कमाने का मौका दिया गया।

स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र की सेहत का आईना

सौरभ वार्ष्णेय

प्रत्येक वर्ष 3 मई को पूरे विश्व में प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेहत का आईना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। प्रेस की आजादी सिर्फ पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार का विस्तार है। वहीं रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष (2025) के 151वें स्थान की तुलना में यह छह पायदान की गिरावट है। भारत में पत्रकारों के खिलाफ हिंसा, मीडिया के केंद्रीकृत स्वामित्व और राजनीतिक दबाव के कारण यह रैंकिंग बेहद गंभीर श्रेणी में है। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, सूचना का

प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। लेकिन इसी के साथ प्रेस की स्वतंत्रता पर नए प्रकार के खतरे भी मंडरा रहे हैं। फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति, सत्ता का दबाव, कॉरपोरेट हितों का प्रभाव और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। कई देशों में पत्रकारों को सच्चाई उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है—यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां प्रेस न केवल सत्ता की निगरानी करता है, बल्कि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज भी बनता है। हालांकि, हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि क्या मीडिया अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने में पूरी तरह सफल है गोडी मीडिया जैसे शब्दों का प्रचलन इस चिंता को दशार्ता है कि कहीं न कहीं मीडिया का एक वर्ग सत्ता के अधिक निकट जाता दिख रहा है।

प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह बिना जिम्मेदारी के कार्य करे। स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य की खोज, तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्ष प्रस्तुति है। जब मीडिया सनसनीखेजता या पक्षपात की ओर झुकता है, तो वह अपने ही अस्तित्व को कमजोर करता है। सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे पत्रकारों को सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करें, जहां वे बिना भय के अपना कार्य कर सकें। वहीं, मीडिया संस्थानों को भी आत्ममंथन करना होगा कि वे व्यावसायिक दबावों से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। लोकतंत्र किसी भवन की तरह है, जिसकी नींव जनता की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर टिकी होती है। यदि इस अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाए, तो लोकतंत्र का ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है।स्वतंत्र आवाज केवल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के विचार, प्रश्न और असहमति को व्यक्त करने के अधिकार का प्रतीक है।

जब नागरिक बिना भय के अपनी बात कह पाते हैं, तभी सरकारें जवाबदेह बनती हैं और नीतियों में पारदर्शिता आती है। इसके विपरीत, जब आवाजों को दबाया जाता है, तो सत्ता निरंकुशता की ओर बढे लगती है।आज के समय में यह चुनौती और भी जटिल हो गई है। एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर दुष्प्रचार, ट्रोलिंग और सेंसरशिप जैसी प्रवृत्तियां भी सामने आई हैं।

न्यूक्लियर हथियार लिख देंगे समूची सभ्यता के विनाश की इबारत

मनोज कुमार अग्रवाल

न्यूक्लियर हथियार समूची दुनिया के विनाश की इबारत लिख सकते हैं। विश्व के तमाम कथित प्रगतिशील ताकतवर देशों ने सामरिक संतुलन की आड़ में परमाणु हथियारों समेत इतना जखीरा जोड़ रखा है कि दुनिया का तीन बार खात्मा करने की क्षमता जुटा ली गयी है। यह समूची मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आखिर इंसान तरक्की के नाम पर हथियार और विनाश की दौड़ क्यों लगा रहा है? क्या दुनिया का भविष्य परमाणु हथियारों के साए में गिरवीं रखा जा रहा है?

वर्तमान में वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और संघर्षों के कारण परमाणु युद्ध का खतरा शीत युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुँच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव (इजरायल-ईरान), और चीन-अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा कर दिया है।परमाणु युद्ध के बढ़ते खतरों और कारणों की मुख्य बातें ये हैं। रूस द्वारा अपनी रणनीतिक परमाणु ताकतों को उच्च सतर्कता पर रखना और पश्चिमी देशों को परमाणु धमकी देना इस खतरे का मुख्य कारण है।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष जैसे 2026 में डिमोना परमाणु केंद्र के पास मिसाइल हमला ने सीधे परमाणु टकराव की आशंकाओं को जन्म दिया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, एक खतरनाक नई परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो गई है, क्योंकि पारंपरिक शस्त्र नियंत्रण संधियां कमजोर हो रही हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष और उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम भी परमाणु तनाव को बढ़ाते हैं।

दुनिया में न्यूक्लियर हथियारों के फैलाव और आधुनिकीकरण में खतरनाक हद तक बढ़ौतरी हो रही है तथा इसके लिए विभिन्न देशों द्वारा नई रणनीति बनाई जा रही है। अमरीका और रूस के बीच 50 वर्ष पूर्व न्यूक्लियर हथियारों के परिसीमन और उन्हें समाप्त करने सम्बन्धी की गई संधि, जिसे न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (न्यू स्टार्ट) कहा जाता है, 2021 में 5 वर्ष के लिए बढ़ाने के बाद अब 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी है तथा इसे आगे बढ़ाने की दिशा में कोई बात नहीं की जा रही।

हालांकि, यह संधि किए जाने के बाद काफी न्यूक्लियर हथियार समाप्त कर दिए गए थे, परंतु अब नए हालात में अमरीका और रूस भी और न्यूक्लियर बम बनाना चाहते हैं।

सऊदी अरब और तुर्की भी इसके लिए इच्छुक हैं तथा यूरोप में भी अब यह अहसास बढ़ रहा है कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए और न्यूक्लियर हथियार बनाने चाहिएं।

लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पारा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात को लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने रविवार को बताया कि देर रात थाना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि मोहान रोड स्थित आगरा एक्सप्रेस-वे जीरो प्वाइंट के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मृत्यु हो गई है। सूचना प्राप्त होते ही थाना स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की शिनाख्त काकोरी के ग्राम भलिया निवासी रोहित (33) के रूप में हुई है।

बड़े भाई जितेंद्र ने बताया कि रोहित मैकेनिक का काम करता था। रात्रि 11:30 बजे वह पारा क्षेत्र स्थित आरपी ऑटो सर्विस सेंटर से काम खत्म करके घर जा रहा था। मोहान रोड पर आगरा एक्सप्रेस-वे जीरो प्वाइंट के पास पीछे से तेज रफ्तार वाहन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के उपरांत चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

तुलसीपुर में शुरू हुआ आरएसएस का तीन दिवसीय प्रारंभिक शिक्षा वर्ग

बलमरामपुर।

उत्तर प्रदेश के जनपद बलमरामपुर के नगर तुलसीपुर स्थित श्री राधा कृष्ण संस्कृत पाठशाला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का तीन दिवसीय प्रारंभिक (प्रवेश) वर्ग शुरू हो गया है। जिसमें 70 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं।

उद्घाटन सत्र का प्रारंभ प्रचारक जितेंद्र कुमार के द्वारा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्चन कर किया गया । शनिवार शाम से शुरू हुआ यह वर्ग 4 मई तक संचालित होगा ।

जिला कार्यवाह कीरीटमणि ने बताया कि प्रारंभिक वर्ग में लगभग 70 स्वयंसेवक प्रतिभाग कर रहे हैं। वर्ग का मुख्य उद्देश्य नए स्वयंसेवकों को संघ की प्राथमिक रीति-नीति, अनुशासन एवं राष्ट्रवाद की भावना से परिचित कराना है। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को शिविर में अनुशासन, संस्कार, हिंदू संस्कृति तथा चरित्र निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रभावना से जुड़े खेल एवं देशभक्ति गीतों का अभ्यास भी कराया जा रहा है, जिससे स्वयंसेवकों में राष्ट्रीय चेतना विकसित हो सके। साथ ही प्रातः जागरण, संघ स्थान पर शारीरिक व्यायाम, योगाभ्यास एवं बौद्धिक सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं।

समाधान दिवस में फरियादियों की लगी कतार, डीएम के सख्त तेवर- लापरवाही पर होगी कार्रवाई

समाधान दिवस में आई 92 शिकायतें

मीरजापुर।
लालगंज तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने जन शिकायतों को सुनते हुए अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के सख्त निर्देश दिए।

औद्योगिक विकास के लिए मिशन मोड में पूरा कराएं इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक पार्क, लॉजिस्टिक हब और शहरी परियोजनाओं को मिशन मोड में आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी प्रक्रियात्मक बाधाएं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर करते हुए परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जाए।

स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक में प्रदेश में संचालित प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शीघ्र ही डिफेंस कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की इकाई का शिलान्यास होने जा रहा है। इसके पूर्व चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे की वित्तीय निविदा का कार्य पूरा कर लिया जाए। उन्होंने चित्रकूट लिंक, फरुर्खाबाद लिंक और जेवर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण की समीक्षा करते हुए संबंधित जिलाधिकारियों से अद्यतन जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन एक्सप्रेस-वे के लिए आगामी 31 मई तक 90 फीसदी भूमि उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए। जहां रेट रिवीजन आवश्यक हो, वहां प्रस्ताव तत्काल भेजे जाएं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा 15 दिन बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भूमि-स्वामियों से सीधा संवाद किया जाए। उन्हें उचित मुआवजा मिले और रजिस्ट्री के लिए अतिरिक्त मैनपॉवर तैनात कर कार्यवाही आगे बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक, झांसी लिंक तथा मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेस-वे के लिए कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जारी हो चुका है। मुख्यमंत्री ने इसके शिलान्यास की तैयारी के निर्देश दिए। वहीं, ग्रेटर नोएडा में विकसित हो रहे मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को राज्य के लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए गेम-चेंजर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ेंगी। बैठक में बताया गया कि मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के लिए 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत हो चुकी है, जिससे कार्य आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए मानक स्थापित करेगी। बैठक में बताया गया कि 75 जनपदों में 150 विद्यालयों का निर्माण होना है। उनमें 59 विद्यालयों के लिए कार्य प्रारंभ हो चुका है। 67 विद्यालयों के लिए निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है। उन्होंने शेष परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विद्यालय स्थापना के लिए अच्छे लोकेशन को प्राथमिकता देने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए मॉडल बिल्डिंग बायलॉज को निवेश अनुकूल बनाते हुए शीघ्र लागू करने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि ड्राफ्ट बायलॉज को सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया जा चुका है। इससे पारदर्शी और सरल नियामक व्यवस्था सुनिश्चित होगी। औद्योगिक भूखंडों के बेहतर उपयोग पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आवंटित भूमि पर तय समय सीमा के भीतर उद्योग स्थापित होना चाहिए।

निवेशकों से संवाद करें और कार्यवाही समय से आगे बढ़नी चाहिए। बायो एनर्जी और सीबीजी परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने नवाचार और प्रतिस्पर्धा आधारित दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए।

सैफई परिवार का 2047 तक मुख्यमंत्री बनने का सपना अधूरा ही रहेगा : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ ।
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, 2027 क्या, 2047 तक भी सैफई परिवार का मुख्यमंत्री बनने का सपना अधूरा ही रहेगा।

केशव मौर्य ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा है कि सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव जी, आपके इशारों पर मयार्दा लांघकर 'फर्जी पीडीए' परोसने वालों को उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता भली-भांति पहचानती है।

सदन में आपकी भाषा और आचरण ही आपके समर्थकों की शैली और व्यवहार में साफ-साफ दिखाई पड़ते हैं और यही आपकी राजनीति की असल फितरत भी बेनकाब करते हैं। सपा का पूरा इतिहास अराजकता, जुल्म और गुंडागर्दी के काले पन्नों से भरा रहा है, जिसे प्रदेश की जनता अब दोबारा स्वीकार करने वाली नहीं है।

2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में फिर एक बार कमल खिलेगा और सुशासन कायम रहेगा।

सुलतानपुर : आंधी पानी के बीच पेड़ गिरने से एक की मौत, एक घायल

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में रविवार सुबह तेज आंधी और बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। वहीं, कुछ नुकसान और जनहानि की घटना सामने आयी है। तेज आंधी में धनपतगंज क्षेत्र के रामनगर गांव में चक्की पर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

धनपतगंज के रामनगर गांव में अजीत सिंह (55) की चक्की के ऊपर खड़े महुआ के पेड़ की एक भारी डाल अचानक टूटकर गिर गई। इस हादसे में अजीत सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं, नरेंद्र सिंह (62) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।थानाध्यक्ष अंजू मिश्रा ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना का संज्ञान लेकर मामले की जांच की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि तेज बारिश के कारण आज सुबह शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

दूल्हे की हत्या के आरोपितों को शरण देने वाले 8 गिरफ्तार

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत खेतासराय थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने बारात जाने के दौरान बीच सड़क पर दूल्हे की गोली मारकर हत्या करने वाले वांछित 25-25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्तों को शरण देने और फरार होने में मदद करने वाले 8 सहयोगियों को शनिवार देर रात गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरीन्द्र सिंह के नेतृत्व में की गई। रविवार को मामले की जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि खेतासराय थाना में दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्तों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। इन आरोपियों को सोंगर मोड़ स्थित कब्रिस्तान के पास शरण देने और उन्हें भगाने में सहयोग करने वाले 8 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और सभी को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।गिरफ्तार अभियुक्तों के नामःरामजीत विन्द, आदित्य गौतम, कमलेश यादव, गुलशन राजभर, साहिल राजभर, सचिन राजभर, शोले राजभर और बृजमोहन विन्द शामिल हैं।

क्षेत्राधिकारी ने कहा अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और उन्हें शरण देने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हेलीकॉप्टर से बच्चों को किया सुरक्षित

सिद्धार्थनगर।
उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद मुख्यालय के कांशीराम आवास के निकट पानी की टंकी पर फंसे दोनों बच्चों को सेना के हेलीकॉप्टर से सुरक्षित उतार लिया गया। यह जानकारी जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर शिवशनरप्पा जी एन ने दी।

उन्होंने बताया कि शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय एवं राहत आयुक्त उत्तर प्रदेश डॉ हृषि केश भाष्कर यशोद से वार्ता की गई। सेना का हेलीकॉप्टर गोरखपुर से मंगाया गया । रविवार को सुबह पांच बजकर बीस मिनट पर सेना का हेलीकॉप्टर पहुंचा।पन्द्रह मिनट तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में दोनों बच्चों को सुरक्षित निकाला गया।रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद वायु सेना के जवान दोनों लड़कों को अपने साथ गोरखपुर ले गये।जहां उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है।

मौके पर जिलाधिकारी के अलावा अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी रेस्क्यू की निगरानी करते रहे। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई तथा सेना के समन्वय से यह चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिससे एक बड़ा दुर्घटना टल गई।

गौरतलब है कि जिला मुख्यालय स्थित कांशीराम आवास के निकट बने पानी की टंकी पर रील बनाने के लिए शनिवार को पांच बच्चे उसकी सीढ़ी से चढ़े थे। जिनमें से दो तो ऊपर पहुंच गये,लेकिन इसमें से तीन लोगों के चढ़ते समय ही इसकी सीढ़ी भरभराकर टूट गई और नीचे गिर गई।जिससे तीनों बच्चे भी नीचे गिर गए थे।

पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

औरैया।
उत्तर प्रदेश औरैया जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिधूना पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। कन्नौज-औरैया सीमा पर गपचरिया पुलिया के पास चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें तीन शातिर अभियुक्त गिरफ्तार किए गए।

अपर अधीक्षक आलोक मिश्रा ने बताया गया कि पुलिस के रुकने के इशारे पर बदमाश भागने लगे, लेकिन मोटरसाइकिल फिसलने से गिर पड़े। घिरने पर उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। इस दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। घायलों की पहचान जितेंद्र उर्फ मोटा और राज कपूर के रूप में हुई है, जबकि तीसरे आरोपी प्रदीप को मौके से गिरफ्तार किया गया। तीनों को उपचार के लिए सीएचसी बिधूना भेजा गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पूछताछ में अभियुक्तों ने 27 अप्रैल को एक वृद्ध से 50 हजार रुपये की ठगी की वारदात कबूल की। वे लोगों को लिफ्ट देने के बहाने बाइक पर बैठाकर रास्ते में जेब काट लेते थे। पुलिस अब आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

पति पर घर जलाने का आरोप, पत्नी-बच्चे बाल-बाल बचे

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में जिगना थाना क्षेत्र के बघेड़ा खुर्द गांव की दलित बस्ती में शनिवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। आरोप है कि पति ने अपनी पत्नी और पांच बच्चों को जिंदा जलाने के इरादे से रिहायशी मड़हे में आग लगा दी। हालांकि, पत्नी और बच्चे किसी तरह आग की लपटों से निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

पीड़िता पूजा देवी के अनुसार, वह अपने बच्चों अंजली (14), अनुराग (10), दीपांशु (6) और शिवांश (3) के साथ मड़हे में सो रही थीं। रात करीब नौ बजे अचानक आग लग गई। किसी तरह बच्चों को लेकर बाहर निकलने के बाद उन्होंने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक मड़हा जलकर राख हो चुका था। आग में साइकिल, चारपाई, बिस्तर, बर्तन, अनाज समेत पूरा गृहस्थी का सामान जल गया। साथ ही अमरूद के दो पेड़ भी झुलस गए। घटना के बाद आरोपित पति मौके से फरार हो गया।

पीड़िता ने बताया कि पति अक्सर नशे में मारपीट करता है और आरोप-प्रत्यारोप लगाता रहता है। घटना के बाद परिवार के सामने खाने तक का संकट खड़ा हो गया है। सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने जांच कर तहरीर देने की सलाह दी। थाना प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्राम प्रधान बांके बिहारी मिश्र ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

पूछताछ को लाए युवक ने की आत्महत्या, चौकी प्रभारी समेत 3 निलंबित

बागपत।
उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में थाना दोघट क्षेत्र की चौकी भड़ल में पूछताछ के लिए लाए गए युवक द्वारा आत्महत्या कर ली गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। प्रथम दृष्टया लापरवाही बरतने पर चौकी प्रभारी समेत दो आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

भड़ल पुलिस चौकी पर कुछ दिनों पहले हुई चोरी की घटना के चलते ग्राम निरपुड़ा निवासी युवक रोहित को 2 मई को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द करने के लिए परिजनों को भी चौकी पर बुलाया गया था। इसी दौरान युवक ने चौकी परिसर में गले में गमछा बांधकर पंखे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और उपचार के लिए सीएचसी बुढ़ाना भेजा। युवक की गंभीर हालत देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। देर शाम हुई इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। निरपुडा गांव के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और बातचीत कर गुस्साए लोगों को शांत कराया।

तीन बर्खास्त मजिस्ट्रेट जांच

मामले में लापरवाही को देखते हुए एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने चौकी प्रभारी भड़ल और 2 आरक्षियों को तत्काल निलंबित किया है। मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना दोघट में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। प्रकरण की निष्पक्ष जांच मजिस्ट्रेट स्तर पर कराई जाएगी।

पुलिस अधीक्षक बागपत सूरज कुमार राय ने बताया कि घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रथम दृष्टया लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई की गई है। मजिस्ट्रियल जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर दोषियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत 14 पर मुकदमा दर्ज

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में सार्वजनिक प्रदर्शन और शीर्ष नेताओं के प्रतीकात्मक पुतले जलाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने शनिवार की देररात को कांग्रेस जिलाध्यक्ष सरिता दोहरे, योगेश यादव सहित 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाल राजकुमार सिंह ने रविवार को बताया कि यह मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के बिचौली गांव का है, जहां कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ आक्रोश जताते दोनों नेताओं के प्रतीकात्मक पुतले भी फूंके। यह प्रदर्शन बिना अनुमति के किया गया और इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। इस पूरे प्रकरण में सदर कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक शकील की ओर से तहरीर दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। कोतवाल ने बताया कि नामजद आरोपितों में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सरिता दोहरे और योगेश यादव शामिल हैं, जबकि 10 से 12 अन्य अज्ञात महिला और पुरुष कार्यकताओं को भी आरोपित बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय कंपनियों के बड़े अधिग्रहण- शेयरधारकों को नहीं मिला अपेक्षित लाभ बाजार से पिछड़ी चाल

10 में से 8 बड़े सौदों में अरबों डॉलर खर्च करने वाली कंपनियों के शेयर व्यापक बाजार से पिछड़ गए

नई दिल्ली ।

पिछले दो दशकों में भारतीय कंपनियों द्वारा किए गए बड़े अधिग्रहणों ने शेयरधारकों को कोई खास लाभ नहीं पहुंचाया है। एक विश्लेषण से पता चला है कि अरबों डॉलर खर्च करके महत्वपूर्ण संपत्तियों को खरीदने वाली अधिकांश कंपनियों (10 में से 8) के शेयरों की चाल अधिग्रहण के बाद व्यापक बाजार से काफी सुस्त रही है, जिससे उनके निवेश पर प्रश्नचिह्न लग गया है। बताया जा रहा है` कि एक नमूने में शामिल 10 सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ता फर्मों में से केवल दो - हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल - ही बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहीं। हालांकि, इनके मामले में भी विश्लेषकों का मानना है कि शेयरों में हालिया उछाल घरेलू कारकों या वैश्विक कमोडिटी कीमतों के कारण है, न कि विदेशी अधिग्रहण से हुए सीधे लाभ के कारण। उदाहरण के लिए, हिंडाल्को ने 2007 में नोवेलिस का 5.7 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, लेकिन कंपनी के शेयर भाव ने दो साल पहले ही निफ्टी 50 से आगे निकलना शुरू किया, जिसका श्रेय औद्योगिक धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल को दिया जाता है। इसी तरह, भारती एयरटेल के मजबूत प्रदर्शन का श्रेय घरेलू दूरसंचार बाजार में बढ़ते वर्चस्व को दिया जा रहा है, न कि 2010 में जेन टेलीकॉम के अफ्रीकी कारोबार के 10.7 अरब डॉलर के अधिग्रहण को। अन्य प्रमुख कंपनियों की बात करें तो टाटा स्टील ने 2006 में कोरस समूह को 12.78 अरब डॉलर में खरीदा था, जो किसी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में किया गया सबसे बड़ा अधिग्रहण था। लेकिन 20 साल बाद भी कंपनी का शेयर कमजोर रहा; अधिग्रहण के बाद से यह केवल 397 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में 551 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी तरह, टाटा मोटर्स ने 2008 में फोर्ड से जगुआर लैंड रोवर का अधिग्रहण किया, लेकिन व्यापक बाजार को पीछे छोड़ने के लिए संघर्ष करती रही। ओएनजीसी का 2008 में इंपीरियल एनर्जी का 2.6 अरब डॉलर का अधिग्रहण भी असफल साबित हुआ, जहां उसका शेयर मूल्य केवल 78 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 458 फीसदी की तेजी आई। यह प्रवृत्ति हाल के वर्षों में भी जारी है। यूपीएल ने 2018 में एरिस्टा लाइफसाइंसेज का 4.2 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, जिसके बाद से उसके शेयर का प्रदर्शन कमजोर बना हुआ है। बायोकॉन द्वारा 2022 में वियाट्रिस के बायोसिमिलर व्यवसाय और रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा 2023 में वॉल्ट डिज्नी के इंडिया कारोबार के अधिग्रहण के बाद भी यही कहानी दोहराई गई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी और कोफोर्ज जैसी कंपनियों के शेयर मूल्य भी अपने बड़े अधिग्रहणों के बाद बेंचमार्क सूचकांकों से पीछे रहे हैं। यह विश्लेषण भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अधिग्रहणों से शेयरधारक मूल्य बनाने की चुनौतियों को उजागर करता है।

सरकारी बैंक पूंजी जुटाने को तैयार, ईसीएल मानदंड से पहले मजबूत करेंगे बैलेंस शीट

बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जुटाएंगे हजारों करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के कई बैंक, जिनमें बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक शामिल हैं, इक्विटी और बॉन्ड के माध्यम से पूंजी जुटाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। यह कदम उन्हें अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) ढांचे के अप्रैल 2027 से लागू होने से पहले अपनी कॉमन इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) पूंजी को मजबूती देने में मदद करेगा। पूंजी जुटाने की यह पहल इन बैंकों को सरकारी हिस्सेदारी कम करने में भी सहायक होगी, क्योंकि कुछ बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से भी अधिक है। बैंक ऑफ इंडिया को वित्त वर्ष 2027 के दौरान 7,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। इसमें से 2,500 करोड़ रुपये अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड और 5,000 करोड़ रुपये टियर-2 बॉन्ड के माध्यम से जुटाए जाएंगे। दिसंबर 2025 तक बैंक ऑफ इंडिया का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.09 फीसदी था, जबकि उसका सीईटी1 अनुपात 13.76 फीसदी था। एटी-1 बॉन्ड विशेष रूप से बैंक की सीईटी1 पूंजी को बढ़ावा देगा।

अप्रैल में शेयर बाजार नकदी सेगमेंट में उछाल डेरिवेटिव्स में गिरावट

नई दिल्ली ।

अप्रैल महीने में भारतीय शेयर बाजार की ट्रेडिंग गतिविधियों में एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिला। इक्विटी बाजार में आई जोरदार तेजी के दम पर नकदी (कैश) सेगमेंट के टर्नओवर में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, वहीं डेरिवेटिव्स (वायदा एवं विकल्प) कारोबार, बढ़ी हुई सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) के कारण फिसल गया। नकदी बाजार में दो साल का उच्चतम टर्नओवर अप्रैल में नकदी बाजार का टर्नओवर 7 फीसदी बढ़ा, जिसे इक्विटी में आई जबरदस्त तेजी का सहारा मिला। इक्विटी में जोरदार रिकवरी के कारण नकदी सेगमेंट का दैनिक औसत टर्नओवर करीब 1.44 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग दो साल का उच्चतम स्तर है। बेंचमार्क सूचकांकों ने एक साल से भी ज्यादा समय में अपनी सबसे मजबूत मासिक रिकवरी दर्ज की, जिसमें सेंसेक्स 6.9 फीसदी और निफ्टी 7.5 फीसदी बढ़ा। व्यापक बाजारों में यह तेजी और भी स्पष्ट थी, निफ्टी मिडकैप 100 में 13.6 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 18.4 फीसदी की जोरदार बढ़त हुई। बढ़ी हुई एसटीटी से डेरिवेटिव्स को झटका दूसरी ओर डेरिवेटिव्स के टर्नओवर में 6

फीसदी की गिरावट आई। इसका मुख्य कारण 1 अप्रैल से लागू हुई सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी थी। वायदा कारोबार पर एसटीटी 0.02 फीसदी से बढ़कर 0.05 फीसदी कर दिया गया, जबकि ऑप्शंस के लिए यह 0.1 फीसदी से बढ़कर 0.15 फीसदी हो गया।

इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा 43 फीसदी उछला

नई दिल्ली ।

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। बैंक ने 1,505 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 43.2 प्रतिशत अधिक है। बैंक अे धिकारी ने बताया कि कर्मचारियों को ऋण निर्णय लेने के लिए सशक्त करने की रणनीति इस प्रदर्शन की कुंजी रही है। बैंक ने हालिया वित्त वर्ष में 24 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की, जो उद्योग औसत (16 प्रतिशत) से कहीं बेहतर है। खुदरा, कृषि व एमएसएमई खंड पर विशेष जोर, जिसमें 78 फीसदी ऋण पोर्टफोलियो है, ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बैंक ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 12-13 फीसदी ऋण वृद्धि और 13-14 फीसदी जमा वृद्धि का लक्ष्य रखा है। बैंक 3.20-3.25 फीसदी के आसपास अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन को बनाए रखने की उम्मीद करता है।

एसबीआई एफडी पर पाएं शानदार रिटर्न और सुरक्षा!

2 लाख निवेश करें और पाएं 1.05 लाख तक का फिक्स रिटर्न

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर आकर्षक ब्याज दरों की घोषणा की है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न का मौका मिल रहा है। ये स्कीमें 7 दिनों से लेकर अधिकतम 10 साल तक की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। एसबीआई की एफडी योजनाओं में ब्याज दरें अवधि के अनुसार भिन्न हैं। न्यूनतम 7 दिन की एफडी पर 3.05 से 3.65 फीसदी तक ब्याज मिलता है, जबकि 46 दिनों से 179 दिनों तक की अवधि पर यह दर 4.90 से 5.50 फीसदी के बीच रहती है। 180 दिनों से 210 दिनों की एफडी पर बैंक 5.65 से 6.25 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। वहीं, लंबी अवधि की एफडी, खासकर 5 से 10 साल की योजनाओं में, ब्याज दरें अधिकतम 7.15 फीसदी तक पहुंच सकती हैं, जो इसे एक बेहतरीन निवेश विकल्प बनाती हैं। निवेशकों के रिटर्न की बात करें तो 6 साल की एफडी स्कीम में 2 लाख के निवेश पर सामान्य नागरिकों को परिपक्वता पर करीब 2,86,747 रुपए मिलते हैं, जिसमें 86,747 रुपए का ब्याज शामिल है। वरिष्ठ नागरिकों को इसी निवेश पर लगभग 3,04,184 रुपए मिलते हैं, जिनमें करीब 1,04,184 रुपए ब्याज होता है। सुपर वरिष्ठ नागरिकों को तो लगभग 3,05,983 रुपए तक मिल सकते हैं, जिसमें 1,05,983 रुपए का आकर्षक ब्याज शामिल है। यह स्कीम सभी उम्र वर्ग के निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय और फायदेमंद विकल्प है।

वैश्विक उथल-पुथल और घरेलू खरीदारी के बीच झूलता रहा भारतीय शेयर बाजार

साप्तो हिक आधार पर सेंसेक्स में लगभग 0.50 फीसदी और निफ्टी में 0.39 फीसदी की गिरावट रही

मुंबई ।

मजदूर दिवस के अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा रहा, पर भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भावनाओं के रोलरकोस्टर का अनुभव हुआ। लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में आशा लौटी पर मंगलवार और खासकर गुरुवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी फंडों की निकासी से बाजार फिर दबाव में आ गया। इस अस्थिर सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में तीव्र उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह का पहला दिन भारतीय बाजार के लिए राहत भरा रहा। पिछली गिरावट के बाद सोमवार को बाजार जोरदार हरे निशान पर खुले। वैश्विक सकारात्मक संकेतों और प्रमुख शेयरों में खरीदारी से दिनभर तेजी रही। सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,303 पर, और निफ्टी 194 अंक चढ़कर 24,092 पर बंद हुए, जिससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली। मंगलवार को बाजार की गति धीमी रही।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में गिरावट से नरमी आई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 208 अंक गिरा, निफ्टी भी 42 अंक लुढ़का। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे कमजोर हुआ। दिन के मध्य में सुधार का प्रयास टिकाऊ नहीं रहा। अंततः, सेंसेक्स 416 अंक गिरकर 76,886 पर, और निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995 पर बंद हुए, जिससे यह 24 हजार के स्तर से नीचे चला गया। बुधवार को बाजार ने शानदार वापसी की। ईरान-अमेरिका तनाव कम होने की उम्मीद और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के दम पर भारतीय शेयर बाजार में तेजी लौटी। मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 77,400 और निफ्टी 24,100 के पार निकल गए। अंत तक सेंसेक्स 609 अंक उछलकर 77,496 पर, जबकि निफ्टी 24,177 पर पहुंचा। सप्ताह का अंत फिर नकारात्मक रहा। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, कमजोर वैश्विक रुझानों और विदेशी निधियों की लगातार निकासी के बीच प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 959 अंकों तक टूटा और 76,537 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 285 अंक कमजोर होकर 23,892 पर आ गया। वैश्विक दबाव और पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा। अंततः, सेंसेक्स 582 अंक गिरकर 76,913 पर बंद हुआ, और निफ्टी 180 अंक गिरकर 23,997 पर आ गया, एक बार फिर 24 हजार के स्तर से नीचे। कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए तीव्र अस्थिरता और वैश्विक घटनाओं पर बढ़ती निर्भरता का परिचायक रहा।

सप्ताह का अंत सेंसेक्स और निफ्टी दोनों के लिए मामूली गिरावट के साथ हुआ, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार में सावधानी भरे रुख को दर्शाता है। आने वाले समय में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर बनी रहेंगी।

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल ने छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता में वृद्धि की है और विभिन्न कंपनियों के बीच असमानता को भी कम किया है। यह रिपोर्ट सरकारी सुधारों के आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डालती है।

2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित इस शोध में पाया गया कि जिन राज्यों ने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कार्यों को डिजिटल किया, वहां व्यवसायों की कार्यक्षमता में तेजी से सुधार हुआ। 2014 में शुरू किया गया 98-पॉइंट एक्शन प्लान, जिसने व्यापार नियमों को सरल बनाया और प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया, इस बदलाव में महत्वपूर्ण रहा। इन डिजिटल सुधारों से छोटे कारोबारियों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत हुई। ऑनलाइन सिस्टम ने पारदर्शिता बढ़ाई और रिश्वत जैसे अनौपचारिक खर्चों में कमी लाकर एमएसएमई सेक्टर को सशक्त किया, जो देश के मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन का 35 फीसदी योगदान देता है और 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। रिपोर्ट यह भी

दर्शाती है कि शुरुआती डिजिटल कदमों का प्रभाव सबसे अधिक रहा, जो अंततः देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को गति दे रहा है।

ऐपल का भारत पर बड़ा दांव, टिम कुक ने जताई अपार संभावनाएं

भारत में लगातार दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

ऐपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारत के प्रति अपनी गहरी आशावादिता व्यक्त की है। भारत में कंपनी ने लगातार दूसरी तिमाही में दोहरे अंकों की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो इसे वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बना रहा है। कुक ने देश के उभरते मध्यम वर्ग और बड़े बाजार के आकार को कंपनी के लिए बड़ा अवसर बताया है। कुक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईफोन और आईपैड बनाने वाली कंपनी ने भारत में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वैश्विक स्तर पर भी, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन, जापान और पश्चिमी यूरोप जैसे अधिकांश बाजारों में ऐपल ने दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। दूसरी तिमाही में कंपनी के प्रमुख उत्पाद आईफोन की बिक्री 57 अरब डॉलर तक पहुंच गई। कुक ने विश्लेषकों से कहा कि आईफोन से लेकर मैकबुक, आईपैड और ऐपल वॉच तक खरीदने वाले अधिकांश ग्राहक नए हैं, जो कंपनी के लगातार बढ़ते आधार को दर्शाता है। भारत अब ऐपल के लिए एक महत्वपूर्ण विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भी उभरा है।

अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों की ईडी हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अहम मामले में अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ झुनझुनवाला और अमित बापना की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है। यह मामला मुख्य रूप से रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से जुड़ा है। दिल्ली की अदालत ने ईडी की उस याचिका को स्वीकार किया, जिसमें दोनों आरोपियों से आगे पूछताछ के लिए हिरासत बढ़ाने की मांग हुई थी। सुनवाई के दौरान झुनझुनवाला को स्वास्थ्य कारणों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया, जबकि बापना को अदालत में पेश किया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने झुनझुनवाला की स्वास्थ्य स्थिति को देखकर जेल प्रशासन को उनकी मेडिकल रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दोनों को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है।

यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पहले दर्ज मामलों के आधार पर शुरू हुई थी। आरोप है कि संबंधित कंपनियों में उच्च पदों पर रहते हुए दोनों अधिकारियों ने वित्तीय फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संभवतः बैंक लोन के धन का गलत उपयोग किया गया। सूत्रों के मुताबिक, झुनझुनवाला पहले रिलायंस ग्रुप में ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और रिलायंस कैपिटल के वाइस चेयरमैन रह चुके हैं, जबकि बापना कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर और आरएचएफएल के निदेशक थे। जांच में यह भी सामने आया है कि लोन की राशि को अलग-अलग माध्यमों से घुमाकर इस्तेमाल किया गया, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका पैदा हुई। हालांकि, रिलायंस समूह ने स्पष्ट किया है कि झुनझुनवाला और बापना कंपनी से जुड़े नहीं हैं। दोनों अधिकारियों ने वर्ष 2019 में ही समूह छोड़ दिया था और वर्तमान में उनका रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड तथा रिलायंस पावर लिमिटेड सहित किसी भी ग्रुप कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

भारत में सोने का आयात 30 साल के निचले स्तर पर

अप्रैल में सिर्फ 15 टन रहा आयात, बैंकों ने 3 फीसदी आईजीएसटी के विरोध में शिपमेंट रोकी

नई दिल्ली ।

भारत में सोने के आयात में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है, जो अप्रैल महीने में लगभग 30 साल के सबसे निचले स्तर, मात्र 15 टन पर आ गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से बैंकों द्वारा सोने की शिपमेंट रोके जाने के कारण हुई है, जो 3 फीसदी इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स (आईजीएसटी) को लेकर उपजे विवाद का नतीजा है। इस स्थिति से देश के स्वर्ण बाजार के साथ-साथ वैश्विक सोने की कीमतों पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कस्टम विभाग द्वारा सोने के आयात पर 3 फीसदी आईजीएसटी लागू किए जाने के बाद बैंकों ने खरीद पूरी तरह बंद कर दी है।

दरअसल, 2017 में आईजीएसटी लागू होने पर बैंकों को इस टैक्स से छूट दी गई थी, लेकिन अब सरकार से स्पष्ट आदेश में देरी के कारण कस्टम विभाग यह टैक्स वसूल रहा है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार अप्रैल में बैंकों ने कस्टम से कोई सोना क्लियर नहीं कराया, हालांकि थोड़ी मात्रा में सोना इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से आयात किया गया। यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल के 35 टन और 2025-26 के मासिक औसत 60 टन से काफी कम है। इस महीने आयात पर केवल 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जो औसत मासिक 6 अरब डॉलर से बहुत कम है। अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर के बावजूद यह गिरावट चिंताजनक है। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता होने के कारण, इस गिरावट का वैश्विक सोने की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। एक रिपोर्ट बताती है कि मार्च तिमाही में निवेश के लिए सोने की मांग (82 टन) पहली बार ज्वेलरी की मांग (66 टन) से अधिक रही, क्योंकि निवेशक शेयर बाजार के कमजोर रिटर्न के बीच सुरक्षित विकल्प तलाश रहे हैं।

साइबर ठगों के निशाने पर क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स सरकार ने जारी की चेतावनी

फर्जी वेबसाइटों और पी2पी प्लेटफॉर्म्स के जरिए हो रही है धोखाधड़ी

मुंबई ।

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के बीच अब क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स भी ठगों के नए निशाने पर आ गए हैं। गृह मंत्रालय से जुड़ी साइबर एजेंसियों ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए खुलासा किया है कि ट्रस्ट वालेट जैसे लोकप्रिय क्रिप्टो वॉलेट इस्तेमाल करने वाले लोगों को बड़े पैमाने पर ठगा जा रहा है। ये ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स और नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स के जरिए यूजर्स के वॉलेट खाली कर रहे हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर और एनसीटीएयू की रिपोर्ट के अनुसार, ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स पर संपर्क कर बातचीत को वाट्सएप या टेलीग्राम पर ले जाते हैं। फिर वे यूजर्स को नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स पर भेजते हैं, जहां वॉलेट कनेक्ट करने को कहा जाता है। अनुमति मिलते ही, ठग बिना देरी के पूरा वॉलेट खाली कर देते हैं। क्रिप्टो लेनदेन अपरिवर्तनीय होने के कारण एक बार पैसा जाने पर उसे वापस पाना लगभग असंभव है।

क्या बरतें सावधानी? साइबर एजेंसियों ने यूजर्स को कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की सलाह दी है

किसी भी अनजान वेबसाइट से वॉलेट कनेक्ट न करें।

अपनी संवेदनशील जानकारी साझा न करें।

किसी भी लिंक की जांच किए बिना आगे न बढ़ें।

संदिग्ध डीएप्स को तुरंत डिस्कनेक्ट करें।

धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या सायबरक्रामडाटजीओवीइन पर शिकायत दर्ज कराएं।

महाराष्ट्र में दशक का सबसे मजबूत अप्रैल, संपत्ति पंजीकरण में 6 फीसदी उछाल

अप्रैल 2026 में 13,864 लेनदेन दर्ज, उपभोक्ता मांग में वृद्धि का संकेत

मुंबई ।

महाराष्ट्र के आवासीय संपत्ति बाजार ने अप्रैल 2026 में एक दशक से अधिक समय का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। राज्य के पंजीकरण और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में कुल 13,864 संपत्ति लेनदेन हुए, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक हैं। यह वृद्धि शहरों में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग का स्पष्ट संकेत है। यह अप्रैल का महीना पिछले 14 वर्षों में भी सबसे अच्छा रहा। इस दौरान 1,114 करोड़ रुपये से अधिक का स्टाम्प शुल्क संग्रह हुआ, पर पंजीकरण में वृद्धि के बावजूद राजस्व में सालाना आधार पर मात्र 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक अे धिकारी बताते हैं कि उच्च पंजीकरण के बावजूद, स्टाम्प शुल्क संग्रह में नरमी टिकट के आकार में बदलाव (मध्यम बजट वाले घरों की मांग) के कारण है, जो निरंतर मांग का संकेत है। रियल एस्टेट विशेषज्ञ इसे अंतिम उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग की बढ़ती मांग का प्रमाण मानते हैं, जो छोटे और मध्य-श्रेणी के आवासों की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि, पिछले महीने (मार्च) की तुलना में अप्रैल में पंजीकरण में 13 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क संग्रह में 27 प्रतिशत की गिरावट आई, जो मार्च के मजबूत प्रदर्शन के बाद एक सामान्य मौसमी धीमी गति है।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पंजाब किंग्स ने इस सीज़न की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की थी, लगातार छह जीत दर्ज कर उन्होंने अपनी मज़बूत स्थिति का प्रदर्शन किया। हालांकि, हालिया हार ने टीम की कुछ कमज़ोरियों को उजागर किया है, खासकर गेंदबाज़ी विभाग में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। आठ मैचों में 13 अंकों के साथ टीम अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो उनकी शुरुआती ज़बरदस्त फॉर्म का नतीजा है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर, पंजाब किंग्स ने अपनी ताक़त दिखाई है। सलामी बल्लेबाज़ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को लगातार मज़बूत शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर और कूपर कोनोली जैसे बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाला है। इनकी बदौलत टीम बड़े लक्ष्य बनाने और उनका पीछा करने में सफल रही है। इस मैच में भी टीम को अपनी बल्लेबाजी पर काफी भरोसा होगा ताकि वे अपनी शीर्ष स्थान को बरकरार रख सकें।

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, टीम ने हाल ही में लगातार दो जीत हासिल कर आत्मविश्वास प्राप्त किया है और 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गई है। गुजरात की बल्लेबाज़ी काफी हद तक अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों पर निर्भर करती है, जिनकी फॉर्म टीम के प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका निभाती है। मध्य क्रम में, वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ अच्छी पारियाँ खेली हैं, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले मैच में टीम में शामिल किए गए जेसन होल्डर ने गेंद और फील्डिंग दोनों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे टीम को थोड़ी राहत मिली है। इस मैच में उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर फिनिशिंग में टीम को एक मजबूत प्रदर्शन की दरकार है। यह मुक़ाबला गुजरात के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ एक ओर पंजाब शीर्ष पर अपनी पकड़ मज़बूत करना चाहेगी, वहीं गुजरात अपनी लय को बरकरार रखते हुए प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ना चाहेगी। दर्शकों को निश्चित रूप से एक कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

थॉमस कप में फ्रांस ने रचा इतिहास, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत से भिड़ेगा

डेनमार्क (एजेंसी)। डेनमार्क के होर्सेन्स में खेले जा रहे प्रतिष्ठित थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचते हुए पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विजय ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में अपना पहला पदक दिलाया है, बल्कि अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला गत चैंपियन भारत से तय हो गया है, जो बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक भिड़ंत का वादा करता है। फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना असाधारण प्रदर्शन जारी रखा, खासकर एकल स्पर्धाओं में उन्हें पूरी तरह से सफलता मिली। क्रिस्टो पोपोव ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक कड़े शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की। क्रिस्टो ने मैच के बाद कहा, जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, बहुत पसीना दिलाएगा। मैं इसके लिए तैयार था। इसके बाद, एलेक्स लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को 2-0 किया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे के कगार पर पहुंच गई।

निर्णायक तीसरे रबर में, टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की, जिसने उनकी टीम को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। टोमा जूनियर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया। यह अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। उन्होंने फ्रेंच बैडमिंटन और फ्रांस पर इस जीत के बड़े प्रभाव पर भी जोर दिया, इसे देश के खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

इस बीच, भारत ने भी चीनी ताइपे पर 3-0 से दमदार जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारत की यह जीत लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के शानदार प्रदर्शन से मिली। मेजबान टीम डेनमार्क ने भी थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

हैदराबाद में महामुकाबला: एक तरफ सनराइजर्स का विजय रथ, दूसरी ओर केकेआर की वापसी की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में एक रोमांचक मुकाबले के लिए हैदराबाद का राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम तैयार है, जहां सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा, और फैंस को एक हाई-ऑक्टेन मैच की उम्मीद है। एक ओर जहां सनराइजर्स अपनी शानदार फॉर्म और लगातार जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स टीम इस सीज़न में अपनी लय खोजने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी।

सनराइजर्स हैदराबाद इस समय टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। वे लगातार पांच मैच जीत चुकी है और नौ मैचों में छह जीत तथा बारह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी है, जिसने लगातार बड़े स्कोर खड़े किए हैं और उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना दिया है। अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज प्रचंड फॉर्म में हैं। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने 76 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को 243 रनों के विशाल लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की थी, जो उनकी बल्लेबाजी इकाई की गहराई और क्षमता को बखूबी दर्शाता है। कप्तान पैट कमिंस की वापसी से टीम की गेंदबाजी को भी मजबूती मिली है, जो पहले से ही संतुलन में दिख रही है। प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और ईशान मलिंगा जैसे युवा और अनुभवी गेंदबाज भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा योगदान दे रहे हैं, जिससे टीम एक पूर्ण और आत्मविश्वास से भरी इकाई के रूप में दिख रही है।

दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन इस सीजन में उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है और वे उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुज़र रही है। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। हालांकि उन्होंने हाल के दो मैच जीते हैं, लेकिन टीम में अभी भी स्थिरता की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में टीम अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। बल्लेबाजी विभाग में फिन एलन और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय रहा है, जबकि वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी ने भी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। कोलकाता को अब हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने की सख्त जरूरत है ताकि वे टूर्नामेंट में अपनी स्थिति में सुधार कर सकें और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहें।

दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 65 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी, जो इस आगामी मैच में उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा। सनराइजर्स अपनी जीत की हैट्रिक को छह मैचों तक ले जाना चाहेगी, जबकि केकेआर उस हार का बदला लेने और अपने सीज़न को पटरी पर लाने की पुरजोर कोशिश करेगी। यह मुकाबला निश्चित रूप से रोमांचक होने की उम्मीद है, जिसमें सनराइजर्स की विस्फोटक बल्लेबाजी और केकेआर की वापसी की भूख के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग, विराट और रोहित को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं। इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ रोहित शर्मा काफ़ी पीछे रह गए हैं।

225 रन बनाकर भी राजस्थान हारा, गेंदबाज़ों के सिर फोड़ा रियान पराग ने ठीकरा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने जब 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया होगा, तब शायद उसने यह नहीं सोचा होगा कि उसकी टीम इतना बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद हार जाएगी। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज़ों, खासकर केएल राहुल और पथुम निसांका की शानदार पारियों ने राजस्थान के इस स्कोर को बौना साबित करते हुए उन्हें एक करारी शिकस्त दी। दिल्ली के खिलाफ हार के बाद राजस्थान के कप्तान रियान पराग बेहद निराश नज़र आए और उन्होंने अपनी टीम की गलतियों को स्वीकार करते हुए हार का ठीकरा गेंदबाज़ों पर फोड़ा। पराग ने मैच के बाद बताया कि उनकी टीम से कहाँ गलती हुई जिसकी वजह से उन्हें 10 में से चौथी मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बीच के ओवरों में उनके गेंदबाज़ों ने खूब रन लुटाए और लगभग हर ओवर में बाउंड्री भी दिए, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनका मानना था कि 200 के आसपास का स्कोर ठीक था, लेकिन बीच के ओवरों में और बेहतर गेंदबाज़ी की जा सकती थी ताकि विपक्षी टीम पर दबाव बनाया जा सके। केएल राहुल (40 गेंद में 75 रन) और पाथुम निसांका (33 गेंद, 62 रन) के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन हार के बाद मिली इस जीत से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर पहुँच गई, जबकि राजस्थान रॉयल्स 12 अंक से चौथे स्थान पर कायम है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे राहुल (छह चौके, पांच छक्के) और निसांका (छह चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए 57 गेंद में 110 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी हुई। इसके बाद नीतिश राणा ने 17 गेंद में 33 रन की पारी खेली, और फिर ट्रिस्टन स्टब्स (11 गेंद में नाबाद 18 रन) और आशुतोष शर्मा (15 गेंद में नाबाद 25 रन) ने टीम को पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 226 रन तक पहुँचाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय ब्रिगेड का ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों को मिला मौका, हरमनप्रीत को कमान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस बार 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर को दी गई है, जबकि स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। चयन समिति ने मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दिया, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अमिता शर्मा, सचिव देवजीत सैकिया, कप्तान कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे।

इस दौरान टीम के चयन में कुछ बड़े और चौंकाने वाले फैसले दिखाई दिए हैं। प्रतिका रावल को टीम में जगह नहीं मिल सकी है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव की वापसी हुई है। इसके अलावा तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा को भी टीम में शामिल किया है, जो अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भी मैच नहीं खेली हैं। वह घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर चर्चा में आई थीं। राधा यादव की वापसी को चयनकर्ताओं ने उनके हालिया ऑलराउंड प्रदर्शन का इनाम बताया है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं यास्तिका चोट से उबरकर टीम में लौटी हैं। उन्होंने घुटने की सर्जरी के बाद लंबे समय तक क्रिकेट से दूरी बनाई थी और अब फिट होकर वापसी कर रही हैं। तेज गेंदबाजी विभाग इस समय चोटों से जूझ रहा है। ऑलराउंडर अमनजोत कौर पीठ की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि कशवी गौतम को घुटने की गंभीर चोट के चलते ऑपरेशन कराना पड़ा है। इसके बाद नंदनी शर्मा को टीम में शामिल कर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देने की कोशिश की गई है।

भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप 1 में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमें शामिल हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला होगा। भारत अब तक महिला टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत सका है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में टीम उपविजेता रही थी। अब 2026 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरानी, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव का नाम शामिल है।

जैमीसन को बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाना पड़ा मंहगा

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गेंदबाज़ों की ताबड़तोड़ कुटाई कर रहे राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी का बल्ला शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खामोश रहा, जब वे सिर्फ़ 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इस विकेट के बाद दिल्ली के न्यूज़ीलैंड तेज़ गेंदबाज़ काइल जैमीसन के आक्रामक जश्न ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी, और उन्हें प्रशंसकों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। वैभव सूर्यवंशी, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी और 250 से अधिक की स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं, उनका विकेट किसी भी टीम के लिए बेहद अहम माना जाता है। काइल जैमीसन ने शानदार यॉर्कर फेंकी, जिससे 15 वर्षीय सूर्यवंशी के पास कोई जवाब नहीं था और वे क्लीन बोल्ड हो गए। विकेट लेने के बाद, जैमीसन ने बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाया। उन्होंने सूर्यवंशी के सामने ज़ोर-ज़ोर से ताली बजाई और उन्हें सैंड ऑफ दिया, मानो उन्होंने किसी महान बल्लेबाज़ का विकेट हासिल किया हो। हालांकि जैमीसन के इस आक्रामक व्यवहार ने शायद उनकी टीम को पसंद आया हो, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसकी कड़ी निंदा की। कई यूज़र्स ने जैमीसन के व्यवहार को अनुचित बताया, खासकर इसलिए क्योंकि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ़ 15 साल के युवा खिलाड़ी हैं। यह बात सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी कि एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ का एक किशोर खिलाड़ी के प्रति ऐसा व्यवहार कितना उचित है। एक यूज़र ने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए लिखा, अरे भाई ठंड रखो, वो सिर्फ़ 15 साल का ही है। एक अन्य यूज़र ने टिप्पणी की, अरे भाई, एक 15 साल के बच्चे का विकेट लेकर इतना खुश हो रहे हैं। ऐसे जश्न मना रहे हो यह बता रहा है कि उनका लगाया चौका आपके इगो को हर्ट कर गया। कई प्रशंसकों ने जैमीसन के इस कृत्य पर हँसते हुए इमोजी का उपयोग करके उनकी खिल्ली उड़ाई और सवाल उठाया कि क्या खेल भावना का सम्मान नहीं करना चाहिए। प्रशंसकों की नाराज़गी इस बात पर केंद्रित थी कि खेल में खेल भावना का सम्मान होना चाहिए, और एक युवा खिलाड़ी के प्रति इस तरह का आक्रामक सैंड ऑफ उचित नहीं था, भले ही वह विकेट कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न रहा हो। इस घटना ने एक बार फिर आईपीएल में खिलाड़ियों के व्यवहार और खेल भावना के महत्व पर एक नई चर्चा का विषय छेड़ दिया है, जहाँ फैंस उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान और परिपक्वता भी दिखाएं।

धोनी, रोहित और सूर्यकुमार: आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच ख़ुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है।

इस ख़ास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो।÷ इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं।

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है।

वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में पिछड़े, शीर्ष-5 में वापसी की चुनौती

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज़ संजू सैमसन ने दो शानदार शतक लगाए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह ऑरेंज कैप की रेस में काफ़ी पिछड़ गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पिछले मैच में फ्लॉप रहने के बाद, सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष-10 बल्लेबाज़ों की सूची से भी बाहर होकर 13वें पायदान पर आ गए हैं। सैमसन कई मैचों में बड़ी और प्रभावशाली पारियाँ तो खेल रहे हैं, लेकिन उनकी निरंतरता की कमी उन्हें शीर्ष पर पहुँचने से रोक रही है। जब उनका बल्ला नहीं चलता तो वह काफ़ी सस्ते में आउट हो जाते हैं, यही कारण है कि वह कुछ ही समय में ऑरेंज कैप की रेस में पिछड़ गए हैं। राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शिफ्ट हुए सैमसन इस सीज़न पहली बार पीली जर्सी में नज़र आए। अभी तक सीएसके के लिए खेले 9 मैचों में उनके बल्ले से 50.67 की औसत और 169.83 के स्ट्राइक रेट के साथ 304 रन निकले हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके दो शानदार शतक भी शामिल हैं।

अंकुरित सलाद

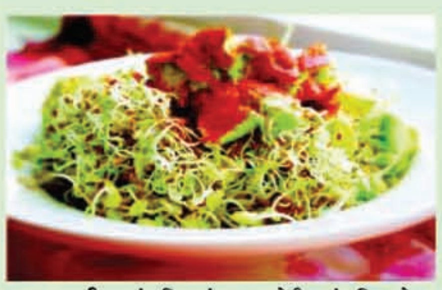

सामग्री : अंकुरित मूंग 1 कटोरी, अंकुरित मोठ 1 कटोरी, उबले आलू 2, केरी व टमाटर कटा, राई का पावडर, नमक स्वादानुसार। कालीमिर्च पावडर 1 चम्मच, नींबू व ताजी क्रीम।

विधि : आलू को मसल लें, उसमें मूँग मोठ, नमक, काली मिर्च, राई पावडर व नींबू डालकर अच्छी तरह मिला लें, प्लेट में निकाल लें।

इसके चारों तरफ क्रीम डालें। अब चेरी और टमाटर से सजाकर सर्व करें।

उम्र बढ़ने का त्वचा पर प्रभाव

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, त्वचा की कांति ढलती जाती है। हमारे चेहरे की त्वचा पर वर्षों तक धूप, गुरुत्वाकर्षण, मुस्कुराने, खाना चबाने और आँखें मिचमिचाने से गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। जिन ऊतकों के कारण हमारी त्वचा तरोताजा और भरी पूरी नजर आती है वे समय के साथ टूटने लगते हैं, इसका नतीजा यह होता है कि चेहरे पर झुर्रियाँ और बारीक-बारीक रेखाएँ उभर आती हैं।

बढ़ती उम्र का त्वचा पर प्रभाव :

- अल्ट्रावायलेट लाइट, मेटॉबोलिक प्रोसेस के कारण सेल टिश्यूज का क्षरण होना और खत्म होना आदि ऐसे कारण हैं जिनसे शारीरिक बुढ़ापा आ जाता है।
- एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर आहार न सिर्फ बुढ़ापे को टाल सकता है बल्कि कई तरह की स्थायी क्षति को भी रिपेयर कर सकता है।
- जब आप उम्र के दूसरे दशक में होते हैं तब शरीर में ढेर सारे परिवर्तन होते हैं। मसलन हारमोंस का उतार-चढ़ाव शरीर को अंदर और बाहर से हिलाकर रख देता है। भारतीयों की त्वचा पर यूँ धूप का कोई खास असर नहीं होता लेकिन तैलीय त्वचा पर मुँहासे उगने लगते हैं।
- तीसरा दशक त्वचा पर स्थायी प्रभाव पड़ने की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इसी दशक में आनुवांशिक लक्षणों, त्वचा का प्रकार तथा धूप के प्रभाव के कारण कोलेजन का तेजी से क्षरण होता है। चेहरे को देखने से ऐसा लगता है कि पहले यह गुब्बारे की तरह फूला था अब जैसे हवा निकल गई है।
- उम्र के चालीसवें दशक में हारमोंस का स्तर तेजी से घट-बढ़ होता है। इससे माँसपेशियों का लचीलापन, बोन्स रेस्पोरेशन, कोलेजेन डिजनरेशन, इलास्टीन डिजनरेशन होता है तथा कुल चर्बी में कमी होने लगती है, जिससे त्वचा सूखी और पतली होने लगती है। इससे झुर्रियाँ पड़ने लगती हैं।

क्रीम ऑफ पुडिंग

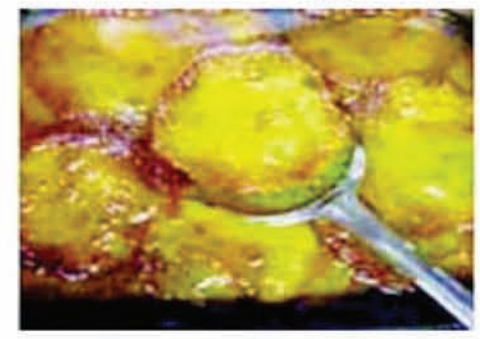

सामग्री : 1 पाउंड पावरोटी, 1 कसा नारियल, 1 कप चीनी, 4 कप दूध, 4 बड़ा चम्मच वेनिला फ्लेवर कस्टर्ड पावडर, 3 कप क्रीम 1/4 चम्मच वेनिला एसेन्स, चेरी सजाने के लिए।

विधि : पावरोटी के चारों ओर का कड़ा हिस्सा हटाकर भुरभुरा कर लें। दूध और चीनी (5 बड़ा चम्मच चीनी रखकर) मिलाकर गर्म करें। उबाल आने पर कस्टर्ड मिलाकर गाढ़ा होने तक चलाएँ।

आँच से उतारकर पावरोटी और कसा नारियल मिलाकर फ्रिज में रख दें। क्रीम फेंट कर बची चीनी मिला दें। क्रीम के बर्तन को ठंडे पानी के बर्तन में रख क्रीम को हल्का होने तक फेंटें। इसमें एसेन्स मिला दें। फिर क्रीम ठंडे कस्टर्ड में मिला, चेरी से सजाकर ठंडा परोसें।

दुपट्टों का फैशन!

वर्तमान फैशन के युग में जहाँ सभी कुछ बदला-बदला सा नजर आता है। वहीं दुपट्टा या ओढ़नी भी इस मामले में पीछे नहीं है। बाजार रंगबिरंगे दुपट्टों से पटा हुआ दिखाई देता है। आज से कुछ समय पहले तक तो वही पुराने दुपट्टे जैसे जार्जेट, पॉलिस्टर, सूती आदि चलन में थे लेकिन आज के बदलते माहौल में दुपट्टों ने युवतियों के पहनावे का रूप बदल रखा है।

बदलते फैशन ने अब जीन्स पर भी अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। आजकल जीन्स पर दुपट्टा डालकर घूमना फैशन का नया दौर है। जिसमें अनेकों रंगों में और अलग-अलग वैरायटी के दुपट्टे शामिल है। फिल्मों में बढ़ते दुपट्टे के चलन से आम युवतियों के जीवन में भी दुपट्टे का महत्व बढ़ता ही गया है। आज के जीन्स-टॉप और विदेशी वस्त्रों के युग में भी दुपट्टा अपनी अलग पहचान रखता है। एक खूबसूरत दुपट्टा जब लहराता है तो महँगे से महँगे विदेशी वस्त्र भी उसके आगे नहीं टिकते। दुपट्टे का आकर्षण ही जादुई होता है। जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

इन दिनों बाजार में उपलब्ध दुपट्टों को लेकर युवतियों में कराची दुपट्टे का काफी क्रेज है। जो 250 से 1000 रु. तक की रेंज में बाजार में उपलब्ध है। इसमें कराची दुपट्टा, कॉटन क्रोशिया दुपट्टा और जिगजेग दुपट्टा की काफी माँग है और बंधेज दुपट्टा तो युवतियों का ऑल टाइम फेवरेट होता ही है।

इसी प्रकार खिलते हुए रंगों वाले और हैवी वर्क जैसे फुलकारी वर्क के दुपट्टे भी चलन में हैं। मुकेश, बंजारन, जामा, बाँधनी और खासकर भागलपुर के दुपट्टे युवतियों में काफी अधिक लोकप्रिय हैं। इतने रंगबिरंगे, आकर्षक और सुंदर दुपट्टे बाजार में मौजूद हैं कि उन्हें ओढ़ लिया जाए तो इंद्रधनुष में लिपटने का आभास होता है। तो देर किस बात की, चलें और खरीद लाएँ रंगबिरंगे दुपट्टे और मोह ले मन अपने प्रियतम का।

घर की सफाई के उपयोगी टिप्स

सफाई करना घर का मुख्य काम होता है। अगर कपड़े की झाड़न पर ज्यादा गर्द ज्यादा हो गई हो और सफाई में दिक्कत आ रही हो तो एक काम करें। हाथों को थोड़ा गीला कर के कपड़े पर फिरा दें फिर जल्दी से उसे ब्रश से झाड़ डालें नमी की वजह से कपड़े की पूरी गर्द उतर जाएगी।

- रजाई और तकिए के गिलाफ धो कर आखिरी बार खंगालते समय पानी में थोड़ा सिरका मिला दीजिए सिरके के अम्ल से कपड़ों से साबुन का क्षार उतर जाता है। इससे गिलाफ एकदम मुलायम हो जाते हैं। गिलाफ धोकर उसे फिर से रजाई पर आसानी से चढ़ाने के लिए धोने के बाद गिलाफ को उलटा सुखा दें।
- उलटे गिलाफ के अंदर रजाई के दोनों कोने डालकर गोल-गोल लपेटते जाएँ। जब रजाई पूरी गोल हो जाए तो नीचे वाला गिलाफ का सिरा खींच लें। रजाई के दोनों कोनों को पकड़ लें और साथ-साथ उठा कर दो तीन बार झटक दें। उलटा हुआ गिलाफ सीधा होकर रजाई पर चढ़ जाएगा।
- अगर आप के यहाँ मेटल का डस्टबिन है तो आप उसके अंदर से आने वाली बदबू से जरूर परेशान रहती होंगी। मेटल के कूड़ेदान की दुर्गंध समाप्त करने के लिए उसमें पुराने अखबार डाल कर आग लगा दें। आग तत्काल दुर्गंध को समाप्त कर देगी।
- कभी-कभी टॉयलेट में अचानक ही बहुत बदबू आने लगती है। बारिश के यह समस्या ज्यादा होती है। थोड़ी देर के लिए इसे हटाने के लिए माचिस की एक तीली जला देना भर काफी है।
- आपके घर भी यदि खारा पानी आता है और आपके बाथरूम में हर चीज इसकी वजह से सफेद हो गई है तो आप इन सभी को पैराफिन से साफ कर सकती हैं। इससे बाथरूम का फर्श, बाथ टब और टोंटियाँ बहुत अच्छी तरह साफ हो जाती हैं। इससे न केवल वहाँ पर जमे साबुन की चिकनाई और मैल छूट जाता है बल्कि पैराफिन से इनकी चमक भी लौट आती है।
- बाथरूम में अकसर पानी की टपकने से या कहीं-कहीं पानी जमने से बने भूरे धब्बों को हटाने के लिए नमक और सिरके की बराबर मात्रा के मिश्रण से दूर किया जा सकता है। टब, बाल्टी या पानी भरने के दूसरे बर्तन में भी यदि सफेदी जमा हो गई हो तो इसी विधि को आप उन पर भी आजमा सकती हैं। मिश्रण को कुछ मिनट दाग पर लगा रहने दें, फिर धो डालें।
- घरेलू उपयोग में आने वाले नौसादर को पानी में मिला कर क्रोमियम की चीजों और कार को साफ किया जा सकता है, लेकिन इस घोल से धोने के बाद यदि आप फिर से पॉलिश करना चाहें तो पहले उस वस्तु को अच्छी तरह सुखा लें। ताँबे और पीतल की चीजों पर लगे हरे-नीले दाग को भी नौसादर और नमक मिले घोल से साफ किया जा सकता है। घोल से धोने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह सुखा लें।
- काँच के मैले फूलदान में पानी भर कर उसमें थोड़ा ब्लीचिंग पाउडर मिला कर रखने से मिनटों में फूलदान जगमगा उठेगा। सिगरेट या सिगार की राख को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें दो-तीन बूँद कोई भी वनस्पति तेल मिलाकर पेस्ट जैसा बना लें। इस पेस्ट से फ्रेंच पालिश की गई लकड़ी पर से कोई भी दाग मिटाए जा सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3877

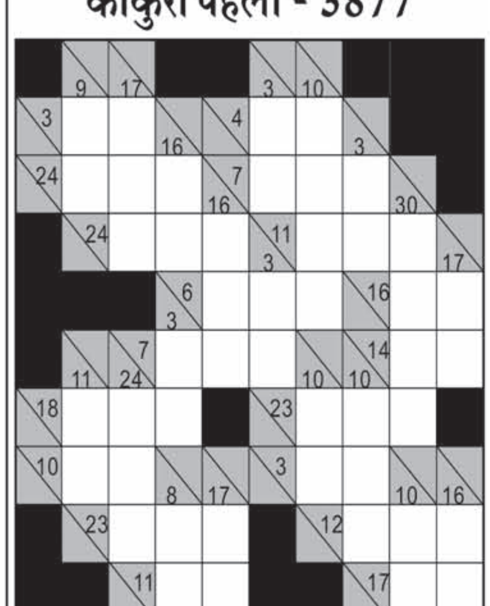

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

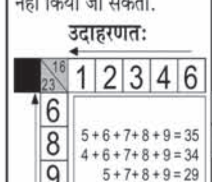

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -3876 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

□ □ □

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3877

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3876

सूडोकु -3877

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3876 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 3877

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3876 का हल

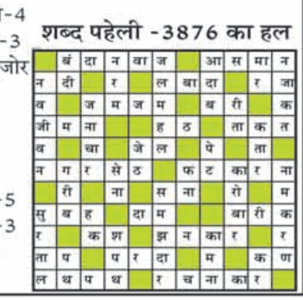

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी